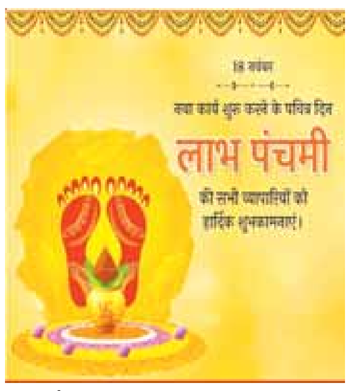

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 106/ पृष्ठ 8 / मूल्य₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 18 नवम्बर 2023 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

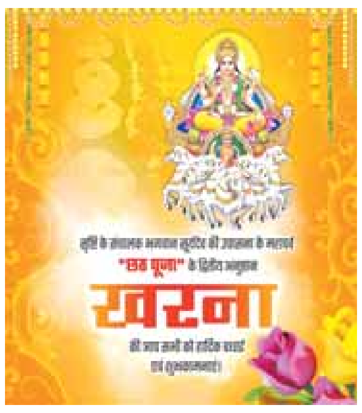

मध्यप्रदेश: 230 सीटों पर वोटिंग का रिकॉर्ड टूटा, अब मतगणना के लिए मशक्कत

सत्ता को लेकर अनुमानों-अटकलों का दौर

भोपाल। मध्यप्रदेश की 230 विधानसभा सीटों पर रिकॉर्ड 76.22 फीसदी वोटिंग हुई है। ये आंकड़ा पिछले चुनाव से ज्यादा है। 2018 के चुनाव में 75.63 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। वोटिंग खत्म होने के साथ ही प्रतिशत और रुझान के आधार पर नतीजों का अनुमान लगाने का दौर शुरू हो गया है। चाय के होटलों से लेकर चौक-चौराहों पर बस मतदान के घटनाक्रम और नतीजों के दावों-संभावनाओं की चर्चा ही खास हो गई है।

इस चुनाव में सबसे ज्यादा 85.68 प्रतिशत वोटिंग सिवनी जिले में हुई है। सबसे कम 60.10 प्रतिशत वोट आलीराजपुर जिले में पड़े। कम वोटिंग वाले जिलों में भिंड (63.27प्रतिशत), भोपाल (66 प्रतिशत) और रीवा (66.85 प्रतिशत) शामिल हैं। रतलाम जिले की सैलाना सीट पर सबसे ज्यादा 90 प्रतिशत वोटिंग हुई। अलीराजपुर जिले की जोबट सीट पर सबसे कम 54.04 प्रतिशत वोट डाले गए। शुक्रवार को मतदान के बाद मतदान दलों की दी

जानकारी के आधार पर मत प्रतिशत अपडेट होता रहा। रात करीब सवा 11 बजे तक आए वोटिंग के रुझान के मुताबिक प्रदेश में 76.22 प्रतिशत वोट डाले गए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन का कहना है कि यह लगभग फाइनल वोटिंग प्रतिशत है। इसमें मामूली बदलाव की स्थिति बन सकती है।

टार्च की रोशनी में डाले गए वोट

मुंगावली के एक बूथ पर बिजली नहीं होने से टॉर्च की रोशनी में वोट डलवाए गए। वहीं, सिरोंज सीट के कई बूथों पर रात आठ बजे तक वोट डालने वालों की लाइन लगी रही। शिवपुरी में सिंध नदी पर पुल नहीं होने के कारण पांच गांव के करीब 350 लोग तैरकर या नाव से वोट डालने पहुंचे। खंडवा के भेरूखेड़ा गांव में सड़क और बिजली नहीं है। ये गांव घने जंगल में 17 किमी अंदर है। यहां मतदान दल को ईवीएम के साथ जनरेटर भी ले जाना पड़ा, तब वोटिंग करवा सके। यहां 68 में से 59 वोटरों ने वोट डाले।

रात 3 बजे तक जमा होती रही मतदान सामग्री

भोपाल की सातों विधानसभा क्षेत्रों में वोटिंग कराने के बाद मतदान दल रात 3 बजे तक मतदान सामग्री जमा कराते रहे। इसके बाद ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम में रखी जाने लगी। यह काम शनिवार सुबह तक चलता रहा। स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर सुरक्षा का कड़ा घेरा है। वोटिंग खत्म होने के बाद रात 8 बजे से मतदान लाल परेड ग्राउंड और एमवीएम ग्राउंड लौटने लगे थे। यह सिलसिला रात 3 बजे तक चलता रहा। मतदान सामग्री जमा कराने के लिए दोनों ही ग्राउंड पर विधानसभा वार व्यवस्था की गई थी। ताकि, मतदान दलों को किसी प्रकार की दिक्कतें न हो। सामग्री जमा कराने के बाद मतदान कर्मचारी घरों को लौट गए।

भोपाल जिले में 66 प्रतिशत वोटिंग

भोपाल जिले की सातों विधानसभा सीट पर 66 प्रतिशत मतदान हुआ। बैरसिया सीट में 78.53, भोपाल उत्तर में 69.1, नरेला में 65.17, भोपाल दक्षिण पश्चिम में 59.13, भोपाल मध्य में 60.67, गोविंदपुरा में 63.13 और हुजूर में 70.54 प्रतिशत वोटिंग हुई। यह रात 12 बजे तक का डाटा है। फाइनल आकड़े जारी होने के बाद वोटिंग परसेंट में बदलाव हो सकता है। मतदान का समय शाम 6 बजे खत्म हो गया था। लेकिन, बैरसिया विधानसभा के कढ़ैया शाह मतदान केंद्र में रात 8.30 बजे के बाद तक वोटिंग होती रही। 2023 के मतदान प्रतिशत में 2018 के मुकाबले लगभग 2.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। दक्षिण पश्चिम विधानसभा सीट पर पुरुषों से ज्यादा महिलाओं ने मतदान किया है।

भोपाल में सिर्फ 66.69 प्रतिशत ही वोटिंग हुई। यह 52 जिलों में 50वें नंबर पर रहा। वजह- दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के चार इमली वीवीआईपी बूथ के उदाहरण से समझिए। यहां 201 आईएएस-आईपीएस, 14 आईएफएस, 34 सीनियर डिप्टी कलेक्टर, 21 प्रोफेसर आदि रहते हैं। मतदान हुआ सिर्फ 57 प्रतिशत। जिन अफसरों को लोगों को भी जागरूक करना था, वे भी मतदान में पीछे रहे। यही हाल करीब हर वीवीआईपी क्षेत्र का रहा।

रात में ही ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम में रखी जाने लगी

मतदान सामग्री जमा होने के बाद रात साढ़े 3 बजे से ईवीएम पुरानी जेल स्थित स्ट्रॉन्ग रूम में रखी जाने लगी। तीन विधानसभा की ईवीएम सुबह 7 बजे तक रख दी गई। वहीं, बाकी विधानसभा की ईवीएम 10 बजे बाद तक रखी जाने लगी। पूरे समय कलेक्टर आशीष सिंह, निगम कमिश्नर नोबल फ्रेंक ए., एडीएम प्रकाश सिंह चौहान, उप निर्वाचन अधिकारी रविशंकर राय आदि अफसर मौजूद रहे। स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी की गई है। यहां ऑर्म्स फोर्स तैनात किया गया है। वहीं, स्ट्रॉन्ग रूम में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने किया युवाओं के साथ पौधरोपण

भोपाल। मतदान के दूसरे दिन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पौधारोपण का सिलसिला जारी रखा और आज श्यामला हिल्स स्थित स्मार्ट उद्यान में करीब 125 युवाओं के साथ पौधे लगाए। युवाओं ने मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ समूह छाया चित्र भी खिंचवाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों और सूचना प्रौद्योगिकी के कार्य से जुड़े युवाओं ने पौधरोपण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने युवाओं को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यकर्ताओं ने धूमधाम से मनाया कमलनाथ का जन्मदिन

भोपाल। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने आज प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का जन्मदिन राजधानी स्थित उनके निवास पर मनाया। विधानसभा के लिए कल हुए मतदान से निवृत्त होकर कमलनाथ भोपाल आ गए थे। आज उनके जन्मदिन पर सुबह से ही उनके निवास पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का जमावड़ा होने लगा था। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बधाइयां और उपहार लिए और उसके उपरांत पार्टी की युवा कार्यकर्ता मेघा परमार के साथ केक काटा। कमलनाथ ने सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी के लिए निर्वाचन में रात दिन एक कर पार्टी के प्रत्याशियों को जीतने केलिए सहयोग करने के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राजीव सिंह,मीडिया प्रभारी पियूष बबेले, संगीता शर्मा, संतोष परिहार के साथ ही अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के जन्मदिन पर कार्यकताओं ने उन्हें हनुमान जी की प्रतिमा भेट की।

शिवपुरी में कब्रिस्तान के पास पहुंची बोलेरो में मिली 2 ईवीएम, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया हंगामा

शिवपुरी। शिवपुरी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दो ईवीएम और वीवी पैट लेकर खड़ी बोलेरो को पकड़ा है। उन्होंने सेक्टर मजिस्ट्रेट पर चुनाव प्रभावित करने के आरोप लगाए हैं। इसके बाद हंगामा हो गया। घटना शुक्रवार रात 10 बजे की है।

सेक्टर मजिस्ट्रेट जीएस दीक्षित ने पहले गाड़ी में ईवीएम होने से इनकार कर दिया। जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गाड़ी खोलकर ईवीएम दिखाई तो सकपका गए। फिर बोले- वह पोहरी विधानसभा के सेक्टर-3 के प्रभारी हैं। गोपालपुर क्षेत्र में ड्यूटी कर लौट रहे थे। उन्हें जमा कराने से पहले खाना खाने के लिए होटल पर रुक गए। विवाद बढ़ता देख मौके पर एसडीएम, तहसीलदार और भारी पुलिस बल पहुंच गया। इसके बाद करीब डेढ़ घंटे तक रोड पर विवाद चलता रहा।

जानकारी के मुताबिक बोलेरो को सबसे पहले कब्रिस्तान क्षेत्र में देखा गया था। यह सबसे सुनसान इलाका है। कुछ लोगों ने वाहन की सूचना कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दे दी। बाद में बोलेरो गुरुद्वारा चौराहा क्षेत्र के एक होटल के सामने घंटों खड़ी रही। इस दौरान कई कांग्रेस कार्यकर्ता पहुंच गए। सेक्टर मजिस्ट्रेट जीएस दीक्षित जैसे ही बोलेरो के पास पहुंचे, कार्यकर्ताओं ने हंगामा कर दिया। उनसे पूछा गया कि कब्रिस्तान रोड पर क्या कर रहे थे तो वे जवाब नहीं दे पाए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आरोप था कि बोलेरो में ईवीएम बदलने और चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा था।

सुप्रीम कोर्ट ने मंथली न्यूजलेटर लॉन्च किया 'सुप्रीम कोर्ट क्रॉनिकल'

कोर्ट के लिए पारदर्शिता का नया दौर शुरू हो रहा: सीजेआई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने कामकाज के तरीकों, मौजूदा सुनवाईयों और उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाने के लिए मंथली न्यूजलेटर लॉन्च किया है। इसे 'सुप्रीम कोर्ट क्रॉनिकल' नाम दिया गया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि इस न्यूजलेटर से न्याय देने की प्रक्रिया पर रोशनी डाली जा सकेगी। साथ ही लोगों को ये भी पता चलेगा कि कोर्ट के कामकाज को बेहतर बनाने के लिए लगातार कितनी कोशिशें की जा रही हैं। इसके साथ ही कोर्ट के लिए पारदर्शिता, जुड़ाव और बेहतरी का एक नया दौरा शुरू हो रहा है।

उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि यह न्यूजलेटर सुप्रीम कोर्ट के काम करने के तरीकों की जानकारी देने वाला अहम सोर्स बनेगा। इसके जरिए कोर्टरूम के अंदर और बाहर की सभी जानकारियां लोगों को मिल सकेंगीं।

भिंड में कांग्रेस के बूथ एजेंट का घर जलाया,मंत्री भदौरिया के समर्थकों पर आरोप

भिंड। भिंड में कांग्रेस के पोलिंग बूथ एजेंट के मकान में शुक्रवार देर रात आग लग गई। घटना अटेर विधानसभा के बरोही थाना इलाके की है। परिवार ने भाजपा प्रत्याशी और मंत्री अरविंद भदौरिया के समर्थकों पर आग लगाने के आरोप लगाए हैं। वे केस दर्ज कराने थाने पहुंचे। पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की तो थाने के बाहर धरने पर बैठ गए। डोंगरपुरा गांव में जॉनी जाटव कांग्रेस प्रत्याशी हेमंत कटारे के पोलिंग बूथ एजेंट हैं। गांव के केशव सिंह जाटव ने आरोप लगाया कि जब आरोपी पोलिंग बूथ प्रभावित करने में सफल नहीं हुए तो उन्होंने रात में एजेंट के घर में आग लगा दी।

संसद का शीतकालीन सत्र 4 दिसंबर से

नई दिल्ली। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के अगले ही दिन यानी 4 दिसंबर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होगा। चुनाव नतीजों से ही तय होगा कि लोकसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष में से कौन ज्यादा आक्रामक रुख अपनाता है। विपक्ष जिन मुद्दों को उछाल सकता है, उनमें

जातीय जनगणना की मांग सबसे प्रमुख है। ईडी, सीबीआई और आईटी जैसी केंद्रीय एजेंसियों की कथित एकतरफा कार्रवाइयों के खिलाफ 'इंडिया' ब्लॉक एकजुट है।

सत्र की शुरुआत से पहले ही तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा पर पैसे लेकर सवाल पूछने के आरोप और एथिक्स कमेटी की ओर से उन्हें सदन से निकालने की सिफारिश की जा चुकी है। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के सांसद राघव के निलंबन का मामला भी गूंजने के आसार हैं। ऐसे में विपक्ष की ओर से टकराव की संभावना बढ़ गई है।

यूनिफॉर्म सिविल कोड पर बहस छेड़ सकती है भाजपा सरकार

सूत्रों का कहना है कि भाजपा इस सत्र में यूनिफॉर्म सिविल कोड पर भी बहस छेड़ना चाहेगी। हालांकि, इस मुद्दे पर अभी लॉ कमीशन ने अपनी रिपोर्ट सरकार को नहीं सौंपी है। इसके अलावा सरकार विंटर सेशन में आईपीसी, सीआरपीसी और एविडेंस लॉ से जुड़े तीनों बिल पारित करा सकती है।

वर्ल्ड कप का फाइनल कल, पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरेगी टीम इंडिया

अहमदाबाद। विश्व कप 2023 के फाइनल की तैयारी लगभग पूरी तैयारी हो गई है। इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच कल फाइनल मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस स्टेडियम में लगभग 1 लाख 32 हजार दर्शकों के बीच दोनों टीमें आपस में खिताब के लिए भिड़ेंगी। टीम इंडिया की बात की जाए तो इस वर्ल्ड कप में एक भी मैच नहीं हारी है, लगातार सारे मैचों में जीत हासिल की है।

भारत को कोई भी टीम अभी तक हिला नहीं पाई है। कल के मैच में कप्तान रोहित शर्मा की टीम अपना 20 साल पुराना बदला पूरा करने मैदान में उतरेगी। जानकारी के मुताबिक इससे पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 2003 वनडे विश्व कप में भी फाइनल मैच खेला गया था

लेकिन सौरव गांगुली की कप्तानी में टीम इंडिया चैंपियन बनते बनते रह गई थी। लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा।

अभी तक इस वर्ल्ड कप में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कुल 4 मैच खेले गए है। इस मैदान पर सबसे पहला मैच इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया था। दोनों टीमों काफी अच्छा स्कोर बनाए थे। इस मैदान पर रनों की बौछार हुई थी। इसका सबसे बड़ा कारण रहा स्पिन के लिए मददगार पिच। जहां भारत की टीम फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की टीम से सामने स्पिन फ्रेंडली पिच तैयार कराएगी। अगर ऐसा होता है तो टीम इंडिया का पड़ला भारी रहेगा। भारत के पास कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा जैसे 2 बेहतरीन स्पिनर हैं। इसके अलावा बल्लेबाजी में भी भारत स्पिनरों के खिलाफ काफी मजबूत है।

कर्मचारी मंच ने कर्मचारी मतदाताओं का भजन गाकर स्वागत किया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच की अपील पर प्रदेश के 7.50 लाख कर्मचारियों एवं डेढ़ लाख अनियमित कर्मचारियों ने परिवार के सदस्यों के साथ वर्ष 2023 की विधानसभा चुनाव में पूरे मध्य प्रदेश में पहले मतदान फिर जलपान के नारे के साथ उत्साह से कर्मचारी मतदाताओं का मतदान करने पर भजन गाकर स्वागत किया कर्मचारी वर्ग एवं उसके परिवार ने बड़ी संख्या में शत प्रतिशत मतदान किया है कर्मचारियों ने लोकतंत्र को मजबूत करने एवं कर्मचारी हितेशी सरकार बनाने के लिए मतदान किया है।

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच की प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि प्रदेश के 54 जिलों में कर्मचारियों ने सुबह 7 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक बड़ी संख्या में मतदान किया है भोपाल में कर्मचारी एवं उनके परिवार के सदस्यों ने वर्ष 2018 के चुनाव के मुकाबले 2023 के चुनाव में ज्यादा 75 प्रतिशत परिवार सहित मतदान किया है कर्मचारियों ने वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में लोकतंत्र को मजबूत करने और कर्मचारी हितेषी सरकार बनाने के लिए मतदान किया है कर्मचारी मंच ने 5 नवंबर से लेकर 16 नवंबर तक मतदान महादान अभियान चलाकर कर्मचारियों को जागरूक किया था कर्मचारियों कोपरिवार सहित शत प्रतिशत मतदान करने की शपथ दिलाई थी मतदान महादान अभियान कर्मचारी मंच का कारगर साबित हुआ है कर्मचारियों ने चुनाव में ड्यूटी होने के बावजूद भी विधानसभा चुनाव में संकल्पित होकर परिवार के सदस्यों के साथ निर्वाचन आयोग के नियमानुसार मतदान किया है जिस कारण उनका मतदान प्रतिशत वर्ष 2023 की विधानसभा चुनाव में बढ़ जाएगा।

सात विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 66 प्रतिशत मतदान

भोपाल । जिले के 7 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 66 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान दिवस पर जिले के 2049 मतदान केन्द्रों पर प्रतिशत 66 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। मतदान के बाद मतदान दलों का सामग्री लेकर लाल परेड मैदान पर आना शुरू हो गया है।कलेक्टर स्वय मतदान सामग्री वापसी कार्य की देख रेख कर रहे है।मतदान दलों को रिलीव करने का काम भी प्रारंभ हो गया है। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार सबसे अधिक 78.72 प्रतिशत मतदान विधानसभा बैरसिया में होने की जानकारी है।उत्तर विधानसभा में 68.8,नरेला में64.14,दक्षिण पश्चिम में53.2,मध्य में 60.01,गोविंदपुरा में 63.03 जबकि हुजूर विधानसभा क्षेत्र में 70.02 प्रतिशत मतदान होने की जानकारी है।इस बीच जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह ने शांति पूर्ण मतदान संपन्न होने पर मतदाताओं सहित निर्वाचन कार्य में लगे शासकीय अमले,राजनैतिक दलों,मीडिया आदि को धन्यवाद भी दिया है।

मानसरोवर कैंपस में मतदाताओं के लिए बनाया था सेल्फी ज़ोन

भोपाल। मानसरोवर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस में लोकतंत्र का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान मानसरोवर डिलिगेंट केयर हॉस्पिटल कैंपस हिनोतीया आलम और मानसरोवर पब्लिक स्कूल कैंपस कोलार मे वोटिंग बूथ बनाया गया, जहां पर बड़ी संख्या में लोगों को मतदान हेतु प्रेरित किया गया। यहां वोटर्स के लिये सेल्फी ज़ोन बनाया गया साथ ही साथ किसी भी आपातकाल स्थिति के लिये डॉक्टर्स व नर्सिंग टीम की व्यवस्था भी की गई। मानसरोवर समूह के चीफ़ एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर गौरव तिवारी ने बताया कि मानसरोवर समूह द्वारा मतदाताओं को प्रेरित करने का कार्य जारी रहा , जिसका ये परिणाम है कि बड़ी संख्या में लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करने कैंपस में पहुंचे हैं। वोट देने के पश्चात 500 से अधिक लोगों ने चिकित्सालय में स्वास्थय सुविधाओं का लाभ भी लिया है। वहीं वोटिंग के दौरान कुछ अनहोनी न हो इसके लिए अस्पताल के डॉक्टर्स भी यहां उपलब्ध कराए गए हैं। मानसरोवर ग्रूप की चांसलर मंजुला तिवारी ने सभी डॉक्टर्स, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य सहयोगियों के प्रयासों की सराहना की।

कोर्टयार्ड बाय मैरियट में 10 दिवसीय साड्डा पिण्ड पंजाबी खाने का जश्न

भोपाल । पंजाबी खाने के शौकीनों के लिए कोर्टयार्ड बाय मैरियट, भोपाल के मल्टी कुजिन रेस्टारेंट मोमो कैफे में आज से 10 दिवसीय साड्डा पिण्ड पंजाबी फूड फेस्टीवल आरंभ हुआ। शाम 7.30 से रात 11 बजे तक चलने वाले इस फूड फेस्टीवल में पंजाब के पारंपरिक संगीत और सांस्कृतिक परिवेश के बीच मुंह में पानी ला देने वाली एक से बढ़कर एक बैज व नानवेज डिशेस सर्व की जाएगी। यह फैस्टीवल 27 नवंबर तक चलेगा। इस संबंध में होटल के महाप्रबंधक राकेश उपाध्याय ने बताया कि साड्डा पिण्ड पंजाबी रसोई और संस्कृति के गर्मजोशी से भरे वातावरण को सेलीब्रेट करने का अवसर है। यह फेस्टीवल शहर के फूड लवर्स को पंजाब के दिल में ले जायेगा जहां वे स्वाद और संस्कृति का अनूठा और अविस्मरणीय अनुभव पा सकेंगे। होटल के एक्जीकिटिव शेफ अमोल पाटिल ने बताया कि फूड फेस्टीवल में लाइव कुकिंग स्टेशन्स लगाये गये हैं जहाँ फूड लवर्स बटर चिकन, सरसो दा साग, मक्के दी रोटी, छोले भटूरे जैसी अनेक आयकोनिक डिशेस को बनते हुए देख सकेंगे।

शेफ़ पाटिल ने यह भी बताया कि फेस्टीवल के दौरान पंजाब की कुछ जानमानी स्ट्रीट डिशेस जैसे अमृतसरी कुलचा, गोलगप्पे और आलू की टिक्की भी सर्व की जाएंगी। खाने के अंत में मीठे की चाह रखने वाले फूड लवर्स बादाम खीर, गाजर का हलवा, जाफरानी फिरनी केसरी खीर व मटका मलाई लस्सी का भी मजा ले सकेंगे।

रंगोली बनाकर और तुलसी के पौधे वितरित कर मतदाताओं को लोकतंत्र के महापर्व की दी बधाई

भोपाल। उज्जैन जिले में शुक्रवार को विधानसभा-2023 के अन्तर्गत मतदान दिवस पर विभिन्न स्थानों पर बनाये गये आदर्श मतदान केन्द्रों पर किसी पर्व जैसा नजारा दिखा। लोकतंत्र के महापर्व पर आदर्श मतदान केन्द्रों में विभिन्न प्रकार की साज-सज्जा की गई। दशहरा मैदान स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बनाये गये आदर्श मतदान केन्द्र में रंगोली बनाई गई तथा तुलसी के पौधे वितरित किये गये। आने वाले मतदाताओं को लोकतंत्र के महापर्व की बधाई भी दी गई।

मतदान केन्द्रों के आसपास मतदाताओं को जागरूक करने के लिये पोस्टर एवं बैनर भी लगाये गये। इन पर जागरूकता सन्देश दिखकर प्रसारित किया गया। मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं के लिये सेल्फी पाइंट भी बनाये गये थे। मतदान के पश्चात मतदाताओं ने इन पाइंट्स पर सेल्फी भी ली।

30 इंच के कैलाश ने पहली बार किया मतदान

भोपाल। मंडला विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत खड़देवरा निवासी 30 इंच लम्बाई के 18 वर्षीय श्री कैलाश ठाकुर ने मतदान केन्द्र पहुँचकर पहली बार उत्साहपूर्वक मतदान किया। पहली बार वोट देने की उमंग उनके चेहरे पर साफ दिखाई दे रही थी। कैलाश ने कहा कि मैंने अपने जीवन का आज पहला वोट दिया है और बता नहीं सकता कि मुझे कितनी खुशी हो रही। देश के विकास में योगदान देना अपने आप में गौरव की बात है। देश के विकास से ही मेरा और सबका भविष्य जुड़ा है। हम सभी को राष्ट्र के लिए वोट करना चाहिए।

सिटिज़न पोर्टल को लेकर भोपाल पुलिस नहीं गंभीर

भोपाल । मध्य प्रदेश सरकार ने प्रदेश पुलिस की कार्रवाई को पारदर्शी बनाने के लिए सिटिजन पोर्टल एप बनाया था। जिसका मकसद मामले होने के तत्काल बाद मामले की कॉपी सिटिजन पोर्टल पर डाउनलोड करना है लेकिन अभी देखा गया है कि थाने में मामला दर्ज,होने के बाद,हर मामले,पोर्टल पर नहीं दिखती,मामला दर्ज होने की जानकारी।अगर डाऊनलोड भी करते हैं, तो बहुत देर से,किसी किसी मामलों मे,बहुत दिनों बाद।फिर कहीं तो मामला दर्ज होने की जानकारी थाना प्रभारी छुपा जाते हैं छुपाने की वजह क्या है यह तो पता नहीं लेकिन जिनके खिलाफ मामला दर्ज होता है उनको पता नहीं चल पाता। मध्य प्रदेश पुलिस की कार्रवाई को पारदर्शिता बनाने के लिए हर पुलिस थाने को मामले दर्ज होने के बाद तत्काल सिटिजन पोर्टल पर अपलोड करना जरूरी है परंतु कुछ मामले अपलोड कर देते हैं और कुछ को छोड़ देते हैं जिससे सिटिजन पोर्टल पर पुलिस की कार्रवाई की पारदर्शिता पर प्रश्न चिन्ह लगता है पुलिस क्यों छुपाती है मामले। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी इस मामले में अभी तक कोई संज्ञान नहीं लिया गया और ना किसी थाना प्रभारी के खिलाफ,कोई कार्रवाई हुई । जिससे थाना प्रभारी सिटिजन पोर्टल को लेकर गंभीर हों ऐसा नहीं दिखता।

मतदान के प्रति बुजुर्गों में भी दिखा उत्साह, 103 वर्षीय मांगीलाल ने किया मतदान

भोपाल। विधानसभा निर्वाचन-2023 के लिए 17 नवंबर को मतदान में बुजुर्गो में भी मतदान के प्रति भारी उत्साह देखने को मिला। देवास जिले की नगर परिषद खातेगांव के पोलिंग बूथ 176 मंडी प्रांगण में जाकर 103 वर्षीय मांगीलाल बेनीवाल और सोनकच्छ विधानसभा के भौंरासा की 96 वर्ष की श्रीमती सजनबाई ने मतदान केन्द्र में जाकर मतदान किया। उन्होंने मतदान केन्द्र पर बनाये गये सेल्फी पाईंट पर उत्साह से फोटो भी खिचवाई।

मतदाताओं की सुविधा के लिए जिले में सभी मतदान केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थी। मतदान केन्द्रों पर रैम्प, पीने के पानी, लाइट, शौचालय, दिव्यांगजन सुगमतापूर्वक मतदान कर सके, इसके लिए व्हील चेयर की व्यवस्था की गई। जिले में आदर्श और पिंक मतदान केन्द्रों मे निर्वाचन आयोग द्वारा दिये निर्देशानुसार व्यवस्थाए की गई थी। आदर्श मतदान केंद्रों पर स्वागत द्वार बनाए गए। मतदाताओं का स्वागत रेड कारपेट से किया। मतदान केंद्रों पर बैठक व्यवस्था व अन्य व्यवस्थाएं भी की गई। निर्वाचन आयोग द्वारा दिये निर्देशानुसार आदर्श और पिंक मतदान केन्द्रों में व्यवस्थाए की गई।

मतदान के बाद सेल्फी पाईंट पर ली सेल्फी: मतदान केन्द्रों पर बनाये गये सेल्फी पाईंट पर मतदाता मतदान के बाद सेल्फी ले रहे है। मतदाताओं की सुविधा के लिए जिले में सभी मतदान केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई। मतदान केन्द्रों पर रैम्प, पीने के पानी, लाइट, शौचालय, दिव्यांगजन सुगमतापूर्वक मतदान कर सके, इसके लिए व्हील चेयर की व्यवस्था की गई। जिले में आदर्श और पिंक मतदान केन्द्रों मे निर्वाचन आयोग द्वारा दिये निर्देशानुसार व्यवस्थाए की गई। आदर्श मतदान केंद्रों पर स्वागत द्वार बनाए गए।

मतदाताओं का स्वागत रेड कारपेट से किया। देवास जिले के बुजुर्गों में भी मतदान के प्रति भारी उत्साह देखने को मिला। नगर परिषद खातेगांव के पोलिंग बूथ 176 मंडी प्रांगण में जाकर 103 वर्षीय श्री मांगीलाल बेनीवाल ने मतदान किया। मतदाताओं की सुविधा के लिए जिले में सभी मतदान केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई। मतदान केन्द्रों पर रैम्प, पीने के पानी, लाइट, शौचालय, दिव्यांगजन सुगमतापूर्वक मतदान कर सके, इसके लिए व्हील चेयर की व्यवस्था की गई।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने की सतत् मॉनिटरिंग

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 के लिए प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में हुए मतदान सहित अन्य व्यवस्थाओं की कंट्रोल रूम से सतत् मॉनिटरिंग की। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर वेबकास्टिंग एवं सीसीटीवी की व्यवस्था की गई थी। इसके माध्यम से 42 हजार से अधिक मतदान केन्द्रों पर हुई समस्त गतिविधियों का लाइव प्रसारण और सीसीटीवी कैमरे से विशेष निगरानी की गई। विधानसभा निर्वाचन 2023 में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का परिवहन करने वाले मतदान दलों एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट को सम्मिलित कर 23 हजार 510 वाहनों में जीपीएस डिवाइस भी लगाई गई। इस कार्य की निगरानी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से की गई।

वरिष्ठ और दिव्यांग मतदाताओं ने मतदान करने में दिखाया उत्साह

भोपाल। सतना में विधानसभा निर्वाचन-2023 में 80 प्लस वोटर और दिव्यांग मतदाताओं में भरपूर उत्साह देखा गया। सभी मतदान केन्द्रों पर वरिष्ठ और दिव्यांग मतदाताओं के लिये व्हील चेयर की व्यवस्था की गई। मतदाता सूची के अनुसार सतना और मैहर जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों में 80 प्लस मतदाताओं की संख्या 22 हजार 927 है। विधानसभा चुनाव में दिव्यांग और 80 प्लस मतदाताओं ने अपने संबंधियों एवं दिव्यांग मित्रों के साथ मतदान केन्द्रों पर पहुँच कर उत्साहपूर्वक मतदान किया। दिव्यांग और वरिष्ठ मतदाताओं ने अपनी शारीरिक असमर्थता को बाधा नहीं मानते हुए विधानसभा निर्वाचन के लिये मतदान किया। साथ ही अन्य मतदाताओं को भी मतदान करने के लिये प्रेरित किया। विभिन्न मतदान केन्द्रों में दिव्यांगजनों और वरिष्ठ मतदाताओं के पहुँचने पर मतदान दल के कर्मचारियों ने उनका फूल माला और श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया।

सागर में 103 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने किया मतदान

भोपाल। सागर की सबसे वरिष्ठ बुजुर्ग मतदाता गुरु गोविन्द सिंह वार्ड निवासी श्रीमती चंद्रादेवी बुधवानी ने 103 वर्ष की आयु में मतदान केंद्र क्रमांक 35 विट्ठल नगर मिडिल स्कूल जाकर मतदान किया। वे देश के आजाद होने के बाद प्रथम लोकसभा चुनाव से अब तक लोकसभा, विधानसभा और नगरीय निकाय के निर्वाचन में सजग मतदाता की भूमिका का निर्वहन करती रही हैं। कोई भी चुनाव हो वे मतदान करने से नहीं चूकती हैं।

निगम आयुक्त ने चुनाव के पूरे दिन मतदान केन्द्रों पर व्यवस्थाओं की मॉनीटरिंग की

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निगम आयुक्त फ्रैंक नोबल ए ने मध्यप्रदेश निर्वाचन-2023 के तहत शहर में स्थापित मतदान केन्द्रों पर निगम द्वारा की गई व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से सुनिश्चित कराने हेतु दिन भर मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर निगम की व्यवस्थाओं की मॉनीटरिंग की और मतदान केन्द्रों पर तैनात मतदान दलों को किसी भी प्रकार की कठिनाई न होने देने के दिए निर्देश। निगम के अपर आयुक्तगण व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपने अधीनस्थ क्षेत्रों में की सतत् रूप से मॉनीटरिंग और व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने हेतु दिए आवश्यक निर्देश।

निगम आयुक्त फ्रैंक नोबल ए ने शुक्रवार को सर्वप्रथम अपने पोलिंग बूथ पर पहुंचकर मतदान किया और उसके उपरांत शहर के मतदान केन्द्रों पर नगर निगम भोपाल द्वारा की गई व्यवस्थाओं को सुचारू एवं बेहतर ढंग से सुनिश्चित कराने के दृष्टिगत सतत् रूप से मॉनीटरिंग भी की।

निगम आयुक्त नोबल ने संबंधित क्षेत्रों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्रीय अधिकारी अपने अधीनस्थ मतदान केन्द्रों पर निरंतर निगरानी रखे और जहां भी व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यकता होती है उसे तत्काल सुनिश्चित कराएं ताकि मतदान दलों को एवं मतदाताओं को किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

निगम आयुक्त फ्रैंक नोबल ए के निर्देश पर निगम के समस्त अपर आयुक्तगण व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने-अपने अधीनस्थ क्षेत्रों में मतदान केन्द्रों पर निगम द्वारा की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निगम अधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर स्थानीय अधिकारियों से चर्चा की और साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश, टेंट, फर्नीचर आदि को बेहतर ढंग से निरंतरता के साथ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि नगर निगम भोपाल के द्वारा निगम सीमा के अंतर्गत स्थापित मतदान केन्द्रों पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश, फर्नीचर, टेंट, पार्टीशन आदि की व्यवस्था के साथ ही दिव्यांग व वृद्ध मतदाताओं के लिए व्हील चेयर आदि की व्यवस्था भी की गई। इसके अतिरिक्त चिन्हित व्ही.आई.पी., पिंक, यूथ, पी.डब्ल्यू.डी मतदान केन्द्रों पर भी निगम द्वारा निर्देशानुसार विशेष सजावट व अन्य व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित कराई गई।

छठ पूजा की तैयारी को लेकर किया विसर्जन घाट का स्थल निरीक्षण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भोजपुरी समाज के लोगों द्वारा बैरागढ़ स्थित विसर्जन घाट का निरीक्षण किया गया। जिसमें भोजपुरी संस्था के अध्यक्ष दिनेश कुमार मिश्रा, प्रेम नारायण नगर, भानु वर्मा, राकेश कुमार, अनिल मिश्रा सहित कई लोग उपस्थित थे। यहां पर प्रतिवर्ष के भांति इस वर्ष ही 19 नवंबर को घाट पर एकत्रित होकर छठ महापर्व धूमधाम से मनाया जाता है छठ महापर्व कार्तिक माह की सष्टि तिथि को शुक्ल पक्ष में आता है पूर्वांचल बिहार झारखंड पूर्वी उत्तर प्रदेश की महिलाएं निर्जला व्रत रहती हैं इसमें सुख समृद्धि की मनोकामना लेकर भारी उत्साह के साथ पूरे परिवार के लोग छठ पर्व मनाते हैं उक्त कार्यक्रम उक्त कार्यक्रम भोजपुरी साहित्य एवं सांस्कृतिक संस्था के तत्वाधान में तत्वाधान में आयोजित किया जाता है आज संस्था के लोगों द्वारा पूजा स्थल का निरीक्षण करने पर निगम द्वारा काफी लापरवाही की जा रही है साफ सफाई व्यवस्था को लेकर इसको लेकर समाज के लोगों में असंतोष बना हुआ है संस्था के अध्यक्ष दिनेश मिश्रा ने बताया कि आचार संहिता के चलते अनुमति के कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है परंतु निगम द्वारा साफ सफाई व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है इसको सुधारण करने हेतु आयुक्त नगर निगम को पत्र दिया है ताकि तत्काल पूजा स्थल की साफ सफाई व्यवस्था हो सके और यहां पर पूर्वांचल की महिलाएं छठ महापर्व धूमधाम से मना सके।

भोपाल। सुरखी से भाजपा के प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत ने नरयावली विधानसभा क्षेत्र के जेरई पहुंचकर मतदान किया। जेरई राजपूत का पैतृक ग्राम है।

भगवान सहस्त्रबाहू जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर 1111 दीपों से रोशन होगा ब्रिज

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कलचुरी सेना मप्र मध्य प्रदेश और जनसेवा समिति द्वारा धूमधाम से मनाया जाएगा भगवान सहस्त्रबाहु का जन्मोत्सव

कलचुरि कलार समाज के अराध्य देव भगवान श्री राज राजेश्वर सहस्त्रार्जुन के जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर कलचुरी सेना मध्यप्रदेश एवं श्री जनसेवा समिति द्वारा भव्य दीपोत्सव का कार्यक्रम 18 नवम्बर को शाम 5 बजे कोलार रोड स्थित जेके अस्पताल गेट भगवान श्री सहस्त्रबाहु सेतु(ब्रिज) भव्य दीपोत्सव एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया जा रहा है।

आयोजक राजेश राय ने बताया कि इस गरिमामय आयोजन में एलएनसीटी ग्रुप के चेयरमैन जय नारायण चौकसे सहित भोपाल शहर के कलार समाज के जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक बडी संख्या में शामिल होंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री सहस्त्रार्जुन जी विधि विधान से पूजा अर्चना एवं आरती के साथ होगा। तत्पश्चात 1111 (गयारह सौ ग्यारह) दीप प्रज्जवलित कर ब्रिज सहित जेके अस्पताल के सामने की सडक को दीपो की रौशनी से रोशन किया जायेगा। इसके बाद श्रद्धालुओं, राहगीरो, एवं सामाजिक बंधुओं को प्रसादी वितरण कर भगवान श्री का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा। आप सभी सामाजिक बंधुओं से निवेदन है कि इस गरिमामय आयोजन में आप अपनी सहभागिता बढ़-चढ़कर प्रदान करें। इस मौके पर कलचुरी सेना के प्रदेशाध्यक्ष कौशल राय, कलचुरी सेना प्रभारी कल्पना राय, मराठा कलार समाज के अध्यक्ष राजन सेवईकर, सुधाकर राउत, संजय चौकसे, विपिन चौकसे, राजेश राय, वैभव वर्मा, प्रमोद राय, वीरसिंह राय, लक्ष्मीनारायण चौकसे, महेश राय, , डॉ अनुराग एसडी राय, सहित बडी संख्या में कलार समाज के नागरिक शामिल होंगे।

भाजपा ने चुनाव आयोग से की दिमनी विस में फर्जी मतदान और उपद्रव की शिकायत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के एक प्रतिनिधि मंडल ने चुनाव आयोग में मुरैना जिले के दिमनी विधानसभा क्षेत्र में कई मतदान केंद्रों पर फर्जी मतदान और उपद्रव किए जाने की शिकायत चुनाव आयोग से की है। प्रतिनिधि मंडल ने चुनाव आयोग से प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में भाजपा प्रतिनिधि मंडल ने कहा है कि मुरैना जिले के दिमनी विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के भाजपा प्रत्याशी श्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा अपने निर्वाचन अभिकर्ता के माध्यम से जिला निर्वाचन अधिकारी मुरैना को विधानसभा क्षेत्र में कई मतदान केंद्रों पर फर्जी मतदान और उपद्रव की शिकायत की गई है। प्रतिनिधि मंडल ने मतदान केंद्रों पर उपद्रव करने व फर्जी मतदान करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

प्रतिनिधि मंडल में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक मनोज द्विवेदी व अन्य पदाधिकारी शामिल रहे।

निर्वाचन पदाधिकारियों द्वारा धीमी गति से चुनाव कराने की शिकायत : भारतीय जनता पार्टी के एक प्रतिनिधि मंडल ने चुनाव आयोग से मध्यप्रदेश में हो रहे विधानसभा चुनाव में धीमी गति से मतदान कराने की शिकायत की है। उदाहरण के तौर पर रतलाम विधानसभा के बूथ क्र. 222 का जिक्र किया गया है। जहां निर्वाचन अधिकारी द्वारा जान बूझकर धीमी गति से मतदान कराकर मतदान प्रक्रिया को प्रभावित किया जा रहा है।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में भाजपा के प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि मध्यप्रदेश के अनेकों विधानसभाओं के मतदान केन्द्रों पर निर्वाचन पदाधिकारियों द्वारा मतदान प्रक्रिया में ढिलाई दिखाने व धीमी गति से मतदान कराया जा रहा है। जिसके कारण विधानसभा चुनाव के मतदान प्रतिशत में भारी कमी देखने को मिल रही है।प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन में कहा कि ऐसी स्थिति प्रदेश के अन्य बूथों पर न हो व मतदान प्रभावित न हो, इसके लिए सभी निर्वाचन अधिकारियों को आदेशित करने के साथ उड़न दस्ता भेजकर निरीक्षण कराया जाए। मतदान कराने में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाएं, ताकि अधिक से अधिक मतदान हो सके। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक अशोक विश्वकर्मा एवं अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

एम्स के ब्लड सेंटर में में पहली ग्रैनुलो-साइटफेरेसिस प्रक्रिया संपन्न

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स के ब्लड सेंटर में आज शुक्रवार को पहली ग्रैनुलो-साइटफेरेसिस प्रक्रिया सफलता पूर्वक की गई। ऐसा एम्स भोपाल में भर्ती ब्लड कैंसर के एक मरीज के लिए किया गया। इस रोगी का श्वेत रक्त कोशिका स्तर बहुत निम्न स्तर तक गिर गया था और जीवित रहने और संक्रमण से लड़ने के लिए श्वेत रक्त कोशिकाओं की आवश्यकता थी। उत्तर प्रदेश के एक रक्तदाता ने जिसका रक्त समूह मरीज के समान था अपनी श्वेत रक्त कोशिकाएं दान की। दानकर्ता की श्वेत रक्त कोशिकाओं के स्तर को बढ़ाने के लिए दवा की एक खुराक दी गई थी। रोगी को रक्त चढ़ाने से पहले इन श्वेत रक्त कोशिकाओं को विकिरणित भी किया गया ताकि इन श्वेत कोशिकाओं से रोगी घायल न हो। एम्स भोपाल नवीनतम मशीनों के साथ इसे संचालित करने की विशेषज्ञता और इन सफेद रक्त कोशिकाओं को विकिरणित करने की सुविधा प्रदान करता है। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने इस सफल प्रक्रिया के लिए पूरी टीम को बधाई दी है। संक्रमण से बचाने के लिए श्वेत रक्त कोशिकाओं (डब्ल्यूबीसी) की आवश्यकता होती है। कुछ रोगियों में ये कोशिकाएँ नष्ट हो जाती हैं या शरीर उनका उत्पादन बंद कर देता है। ऐसे मामलों में हल्का संक्रमण भी जीवन के लिए खतरा बन सकता है। ऐसे रोगियों को संक्रमण से लड़ने के लिए तब तक सहायक देखभाल की आवश्यकता होती है जब तक उनका शरीर अपनी श्वेत रक्त कोशिकाओं का उत्पादन नहीं कर लेता।

किसी भी सामान्य रक्तदान की तरह, स्वस्थ दाता श्वेत रक्त कोशिकाएं दान कर सकते हैं। इस प्रकार के दान को %ग्रैनुलोसाइटैफेरेसिस% के नाम से जाना जाता है। इस प्रक्रिया के लिए श्वेत रक्त कोशिकाओं को एकत्र करने की क्षमता वाली एक विशेष मशीन की आवश्यकता होती है। भारत भर में बहुत कम संस्थान इन विशिष्ट रक्तदान प्रक्रियाओं को निष्पादित करते हैं। कोई भी स्वस्थ व्यक्ति एम्स भोपाल में %श्वेत रक्त कोशिकाएं% दान कर सकता है। इस प्रकार का रक्तदान मरीज की आवश्यकता के 24 घंटे के भीतर उसी रक्त समूह के स्वस्थ रक्तदाता द्वारा किया जाता है। श्वेत रक्त कोशिकाओं को दान करने के लिए व्यक्ति को रक्त केंद्र में पंजीकरण कराना होगा। जब भी किसी मरीज को श्वेत रक्त कोशिकाओं की आवश्यकता होती है तो ऐसे पंजीकृत दाताओं को रक्त केंद्र द्वारा बुलाया जाता है। इन रक्त दाताओं को दान के दिन से एक रात पहले दवा की दो खुराक दी जाती है ताकि वे अगले दिन दाता के शरीर में सफेद कोशिकाओं के स्तर में कोई कमी किए बिना सफेद रक्त कोशिकाओं का दान कर सकें। वास्तविक दान प्रक्रिया में अगले दिन लगभग 2 घंटे लगते हैं। जो व्यक्ति श्वेत रक्त कोशिकाओं का दान करता है वह अपने स्वास्थ्य पर कोई प्रभाव डाले बिना दान प्रक्रिया से पहले और बाद में अपनी दैनिक गतिविधियों को जारी रख सकता है।

एम्स में लॉन टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स भोपाल की खेल समिति द्वारा 16 नवंबर को लॉन टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया गयाद्य इस कार्यक्रम का संचालन, संस्थान के कार्यपालक निदेशक और सीईओ, प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, अधिष्ठाता (अकादमिक) डॉ. रजनीश जोशी एवं अधिष्ठाता (छात्रकल्याण) डॉ. ए. स. बालकृष्णन द्वारा, एम्स भोपाल के खेल समिति के सदस्यों की उपस्तिथि में किया गया द्य

इस प्रतियोगिता में कुल 12 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें मेडिकल और नर्सिंग छात्रों के साथ-साथ संकाय सदस्य भी शामिल थे। पुरुष एकल प्रतियोगिता में सोहन कालगे विजयी रहे जबकि डॉक्टर मूरत सिंह यादव उपविजेता रहे। वहीं पुरुष युगल मुकाबले में डॉक्टर मूरत सिंह यादव और सोहन कालगे की जोड़ी ने पहला स्थान जबकि दूसरे स्थान पर डॉक्टर बृजेश कुमार तथा डॉ. विकास लाल की जोड़ी रही। वहीं महिला एकल मुकाबले में वसुंधरा ने पहला स्थान प्राप्त किया जब कि तनाया आम्बेगाँवकर दूसरे स्थान पर रहीं। मिश्रित युगल मुकाबले में डॉक्टर मूरत सिंह यादव और तनाया आम्बेगाँवकर की जोड़ी को पहला स्थान प्राप्त हुआ जबकि डॉ बृजेश कुमार और वसुंधरा की जोड़ी को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।

एम्स के डॉक्टर सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स भोपाल के प्रोफेसर जयंती यादव, डॉ. दिव्यभूषण वार्ष्णेय (एसआर), और डॉ. मृणाल पटनायक (जेआर), फोरेंसिक चिकित्सा के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए 20 नवंबर से 24 नवंबर, 2023 तक सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में होने वाले 23वें त्रैवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय फोरेंसिक साइंसेज सम्मेलन (आईएएफएस 2023) में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगें। प्रोफेसर जयंती यादव सर्पदंश के रूप में प्रच्छन्न मामलों का विश्लेषण प्रस्तुत करेंगी, जिसका उद्देश्य अक्सर सर्पदंश के मामलों से जुड़ी जटिलताओं और गलत व्याख्याओं को उजागर करना होगा। वह आकस्मिक निष्कर्षों की जटिलताओं की खोज में मेडिकोलीगल ऑटोप्सी के उपयोग को भी प्रस्तुत करेंगी, जिसका उदाहरण फुफ्फुस आसंजन मामलों में तपेदिक की उपस्थिति है। डॉ. दिव्य भूषण वार्ष्णेय पोस्टमार्टम सीएसएफ 5-हाइड्रोक्सी इंडोल एसिटिक एसिड स्तर का अध्ययन और आत्मघाती मौतों में मनोवैज्ञानिक शव परीक्षण के साथ इसके सहसंबंध पर प्रस्तुत देंगे। यह शोध आत्महत्या से होने वाली मौतों के मामलों में जैव रासायनिक मार्करों और मनोवैज्ञानिक शव परीक्षण के बीच संबंध का पता लगाता है। डॉ. मृणाल पटनायक अलग-अलग पोस्टमार्टम अंतराल के साथ शवों से प्राप्त शुक्राणुओं की व्यवहार्यता का पता लगाएंगे, जिससे फोरेंसिक जीवविज्ञान की समझ में योगदान मिलेगा।डॉ. पटनायक और डॉ. वार्ष्णेय को उनके असाधारण योगदान के लिए ऑस्ट्रेलिया, आईसीएमआर, एसईआरबी और एमपीसीएसटी से अनुदान प्राप्त हुआ है।फोरेंसिक मेडिसिन विभाग, डॉ. अरनीत अरोड़ा, प्रोफेसर एवं एचओडी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। प्रतिभागियों ने एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. अजय सिंह के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया हैं, जो न केवल एम्स भोपाल के डॉक्टरों को ऐसे प्रयासों के लिए प्रेरित करते हैं बल्कि प्रोत्साहित भी करते हैं।

विकिरण ऑन्कोलॉजी विभाग मना रहा स्थापना माह

भोपाल । एम्स का रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग अपना स्थापना माह मना रहा है। इसने कैंसर उपचार के क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करते हुए चार साल पूरे कर लिए हैं। कल 18 नवंबर को एक सीएमई का आयोजन किया गया है। यह सीएमई हेमटोलॉजिकल मैलिगनेंसीज में विकिरण प्रौद्योगिकी की प्रगति पर आधारित है। इस सीएमई के दौरान एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह इस दिन भर चलने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम के दौरान कैंसर से इलाज से संबंधित सभी पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। यह कार्यक्रम सुबह 10:00 बजे से शुरू होकर 3:30 बजे तक चलेगा। मध्य प्रदेश में यह सरकारी स्तर पर स्थापित एकमात्र केंद्र है जो रेडियो सर्जरी सहित उच्च परिशुद्धता विकिरण उपचार प्रदान करने में सक्षम उच्च स्तरीय लिनियर एक्सीलरेटर से सुसज्जित है।

स म्पा द की य

मतदान का कीर्तिमान

मध्यप्रदेश में पांच साल के लिए नई सरकार बनाने का काम पूरा हो गया है। इस बार राज्य की 230 विधानसभा सीटों पर मतदान का रिकार्ड बन गया, कुल 76.22 फीसदी वोटिंग हुई है। ये आंकड़ा पिछले चुनाव से ज्यादा है। इसमें मतदाताओं की जागरूकता कहें, सत्तापक्ष के पक्ष में बढ़ता समर्थन मानें या बढ़ती नाराजगी, कुल मिलाकर मतदान का कीर्तिमान स्थापित हो गया। ये बात और है कि प्रतिशत में वृद्धि बहुत कम हुई है। 2018 के चुनाव में 75.63 प्रतिशत वोटिंग हुई थी।

जिलों की बात करें तो इस चुनाव में सबसे ज्यादा 85.68 प्रतिशत वोटिंग सिवनी जिले में हुई है। वहीं सबसे कम आलीराजपुर जिले में 60.10 प्रतिशत वोट पड़े। कम वोटिंग वाले जिलों में भिंड (63.27 प्रतिशत), भोपाल (66 प्रतिशत) और रीवा (66.85 प्रतिशत) शामिल हैं। रतलाम जिले की सैलाना सीट पर सबसे ज्यादा 90 प्रतिशत वोटिंग हुई। आलीराजपुर जिले की जोबट सीट पर सबसे कम 54.04 प्रतिशत वोट डाले गए।

वोटिंग पूरी होने के साथ ही अब विश्लेषण होने लगा है। कोई पूरे प्रदेश में मतदान का प्रतिशत बढ़ने का आधार बनाकर अनुमान लगा रहा है तो कोई अंचल और सीटवार। पूर्व पर नजर डालें तो 2013 के मुकाबले 2018 में वोटिंग का अंतर 3.50 प्रतिशत रहा। इस चुनाव में सत्ताधारी दल को नुकसान हुआ। कांग्रेस को 114 और भाजपा को 109 सीटें मिलीं। जबकि कांग्रेस को भाजपा की तुलना में 0.67 प्रतिशत वोट कम मिले थे। इस चुनाव में भाजपा को 41.02 प्रतिशत तो कांग्रेस को 40.35 प्रतिशत वोट मिले थे।

भोपाल में सिर्फ 66.69 प्रतिशत ही वोटिंग हुई। यह 52 जिलों में 50वें नंबर पर रहा। वजह- दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के चार इमली वीवीआईपी बूथ के उदाहरण से समझिए। यहां 201 आईएएस-आईपीएस, 14 आईएफएस, 34 सीनियर डिप्टी कलेक्टर, 21 प्रोफेसर आदि रहते हैं। मतदान हुआ सिर्फ 57 प्रतिशत। जिन अफसरों को लोगों को भी जागरूक करना था, वे खुद मतदान में पीछे रहे। यही हाल करीब हर वीवीआईपी क्षेत्र का रहा। यानि दूसरों के लिए मतदान महत्वपूर्ण और अपने लिए...?

खैर। बात विश्लेषण की हो रही है तो पहले नजर डालते हैं मध्यप्रदेश की उन 8 हाई प्रोफाइल सीटें जहां बीजेपी ने 3 केंद्रीय मंत्री समेत 7 सांसद और एक पार्टी महासचिव को उतारा। जहां तक मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ की बात है, तो इनकी सीटें एकदम सुरक्षित मानी जा रही हैं। नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह भी लगातार जीतते आ रहे हैं, सो उनके बारे में खास चर्चा नहीं है। 6 वीआईपी सीटों पर वोटिंग प्रतिशत बढ़ा है, जबकि दो सीटों पर कम हुआ। खास बात यह है कि केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर की दिमनी सीट पर 15 साल बाद वोटिंग प्रतिशत घटा है। पिछले चार चुनाव के वोटिंग पैटर्न को देखें तो हर चुनाव में मतदान का प्रतिशत 3 से 5 फीसदी तक बढ़ा है, लेकिन इस बार 4 प्रतिशत वोट कम पड़े हैं। पिछले चार चुनावों के नतीजों में यहां दो बार भाजपा, एक-एक बार बसपा और कांग्रेस जीती।

कैलाश विजयवर्गीय वाली इंदौर 1 सीट पर पिछले चुनाव की तुलना में 2.84 प्रतिशत वोटिंग बढ़ी है। इसका फायदा कांग्रेस को मिला था। इससे पहले के तीन चुनाव (2003, 2008 और 2013) में वोटिंग का प्रतिशत कम-ज्यादा होता रहा। यही वजह है कि इस सीट पर तीन बार भाजपा व 1 बार कांग्रेस जीती। नरसिंहपुर सीट पर पिछले तीन चुनाव का ट्रेंड देखें तो वोटिंग प्रतिशत में 2 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। इस बार 0.44 प्रतिशत की मामूली बढ़त है। 2008 में यहां से कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी लेकिन इसके बाद सीट पर भाजपा का कब्जा रहा। इस बार भाजपा ने विधायक जालम सिंह का टिकट काट कर उनके बड़े भाई केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल को मैदान में उतारा है।

जबलपुर पश्चिम सीट पर इस बार भनोत का मुकाबला सांसद राकेश सिंह से है।

यहां 10 साल बाद 5 प्रतिशत से ज्यादा वोटिंग हुई है। इस सीट पर पूर्व वित्त मंत्री तरुण भनोत का दो बार से कब्जा है। पेशाब कांड को लेकर चर्चा में आए सीधी विधानसभा क्षेत्र में वोटिंग प्रतिशत पिछले चुनाव की तुलना में 1 प्रतिशत बढ़ा है। भाजपा ने यहां तीन बार के विधायक केदारनाथ शुक्ला का टिकिट काट कर सांसद रीति पाठक को मैदान में उतारा, तो शुक्ला भी बागी होकर मैदान में है। इस सीट पर कांग्रेस को 2003 में जीत मिली थी। इसके बाद से सीट पर भाजपा ही काबिज है।

मंडला जिले की निवास सीट पर 2003 से 2018 तक चुनाव में बीजेपी के रामप्यारे कुलस्ते तीन बार जीते। पिछला चुनाव वे हार गए। इस बार बीजेपी ने उनके बड़े भाई केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते पर दांव लगाया है। इस सीट पर वोटिंग प्रतिशत का पैटर्न देखें तो पिछले चार चुनाव में हर बार करीब 3फीसदी वोट बढ़े हैं। सतना में 2018 के मुकाबले इस बार वोटिंग 1.29 प्रतिशत बढ़ी है। ये पिछले 4 चुनाव में सबसे कम बढ़ोतरी है। इस बार भाजपा ने सांसद गणेश सिंह को मैदान में उतारा है, मुकाबला वर्तमान विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा से है। इन सीटों को लेकर जो चर्चा है, उसके अनुसार केवल एक सीट क्लियर है, बाकी में दिक्कत है।

अंचलवार प्रतिशत के हिसाब से जीत-हार का विश्लेषण अलग-अलग है। वैसे सत्तापक्ष का दावा है कि उसे लाडली बहनाओं का जो सहयोग मिलेगा, उससे ही सरकार बन जाएगी। इधर कांग्रेस एंटीइन्कंबेंसी को ही आधार मानकर जीत का दावा करती नजर आ रही है। अनुमान अपने-अपने हैं, लेकिन मतदान बढ़ रहा है, यह जागरूकता का प्रमाण है। लोकतंत्र की मजबूती के पक्षधरों की संख्या में वृद्धि अच्छे संकेत कहे जा सकते हैं।

मप्र:क्या वाकई गेम चेंजर बनने जा रही है लाड़ली बहना योजना?

जयराम शुक्ल

नदी में 2 धाराएं समानांतर बहती हैं, एक सतह पर जो दिखती और महसूस होती है, दूसरी सतह से इतनी नीचे कि बिना डूबे उसके वेग का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। चुनावी राजनीति में इसे अंडर करंट कहते हैं। आज के मतदान में ऐसा कोई अंडर करंट था इसका सही-सही पता तो मतदान के आधिकारिक प्रतिशत आने के बाद पता चलेगा, लेकिन आज पूरे दिन मीडिया के लोग लाड़ली बहना के अंडर करंट की थाह लेने में जुटे रहे। यदि पिछले चुनाव के मुकाबले महिला मतदाताओं का प्रतिशत बढ़ता है (प्रथम दृष्टया तो बढ़ने की खबरें हैं) तो यह मानकर चलना ही पड़ेगा कि लाड़ली बहनों ने अपेक्षित रिटर्न गिफ्ट दे दिया है और पांचवीं बार भी उनके %भैया% की सरकार बनने से कोई नहीं रोक सकता!

क्या वाकई गेमचेंजर बनने जा रही

क्या यह योजना मध्यप्रदेश में वाकई गेमचेंजर बनने जा रही है, चलिए इसकी पड़ताल करते हैं। पहले जानें कि यह योजना है क्या..? मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 20 जून 2023 को इस योजना को प्रदेश में लागू किया। आरंभ 1000 रुपए प्रति महीने से हुए। रक्षाबंधन में 250 रुपए और जुड़ गए। कुल मिलाकर पिछले 2 महीनों से हर लाड़ली बहना के खाते में 1250 रुपए आ रहे हैं।

सीएम का वचन- 3 हजार रुपए महीना देंगे

यह विचार कैसे आया, इस पर मुख्यमंत्री चौहान अपनी जनसभाओं में बताते हैं कि आर्थिक तौर पर निर्बल बहनों की घर में कोई इज्जत नहीं होती, थोड़ा-सा ही रुपया सही, यह उनमें आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान जागृत करेगा। लाड़ली बहना योजना में अब तक 1 करोड़ 25 लाख खातों में सिंगल क्लिक से रुपए डाले जा रहे हैं। अब तक 1209 करोड़ रुपए लाड़ली बहनों के खाते में गए। इस योजना में निम्न आय वर्ग की 21 से 60 साल की बहनों को जोड़ा गया है। इसके साथ ही आवास और अन्य योजनाएं भी लिंक की गई हैं। मुख्यमंत्री का वचन है कि इस राशि को धीरे-धीरे 3000 रुपए महीने तक पहुंचाएंगे।

क्या ऐसी योजनाएं फलदायी होती हैं ?

आप जानना चाहेंगे कि चुनाव की दृष्टि से क्या ऐसी योजनाएं फलदायी होती हैं। प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार राघवेन्द्र सिंह कहते हैं- हां। वे बताते हैं कि 2008 का चुनाव कितना मुश्किल था। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में जब यह चुनाव लड़ा जाना था, तब बीजेपी से ही टूटकर निकली पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती की जनशक्ति पार्टी सामने थी। इसी बीच मुख्यमंत्री चौहान लाड़ली लक्ष्मी योजना लेकर आए। वह 1अप्रैल 2007 की तारीख थी और नवरात्रि के दिन थे। शिवराज सिंह जी की कन्या पूजन करते, उनके चरण पखारती तस्वीरें मीडिया में छा गईं। बात हृदय को छूने वाली थी। शिवराज सिंह चौहान का इन कन्याओं से कब भांजी का रिश्ता गाढ़ा हो गया। इसका पता तब चला जब 2008 में निर्णायक बहुमत के साथ बीजेपी की सरकार बनी और इसके बाद तो रिश्ता गहराता ही गया। सुदूर गांवों की बच्चियां साइकिल से स्कूल जाने लगीं और इनके बीच मामा-मामा स्वर और भी तेज फूटता गया। लाड़ली लक्ष्मी अब 16 वर्ष की हो गईं। आंकड़ों में बात करें तो 46 लाख बेटियां लखपति बन चुकी हैं और 13 लाख से अधिक को छात्रवृत्तियां मिल रही हैं।

तो क्या बेटी और बहनें शिवराज सिंह चौहान की चुनावी अमोघ अस्त्र हैं ?

मुख्यमंत्री चौहान के परिवार को निकट से जानने वाले भोपाल के युवा एक्टिविस्ट पुरु शर्मा कहते हैं- ऐसा नहीं है। चौहान जब विधायक भी नहीं बने थे तब से वे अपने गृह क्षेत्र बुधनी में कन्या पूजन और गरीब कन्याओं के विवाह के आयोजन किया करते थे। यहां तक कि क्षेत्र की गरीब कन्याओं को गोद लिया, पढ़ाया और पिता की भूमिका निर्वाह करते हुए कन्यादान भी दिया। विधायक, सांसद बनने के बाद ऐसे समारोह नियमित करने लगे, जब मुख्यमंत्री बने तो इसे सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के साथ जोड़ दिया। बेटियों और बहनों से उनका रिश्ता राजनीति के लिए नहीं अपितु भावनात्मक है। प्रकारंतर में लाड़ली लक्ष्मी योजना मध्यप्रदेश की फ्लैगशिप योजना बन गई। केन्द्र सरकार ने इसे बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के तौर पर अंगीकार किया। अब सभी बीजेपी शासित राज्यों और कुछ अन्य राज्यों में भी नाम बदलकर यह योजना चल रही है।

बीजेपी के लिए कितनी कारगर होगी लाड़ली बहना ?

लाड़ली बहना योजना इस चुनाव में बीजेपी के लिए कितनी कारगर होगी ? मध्यप्रदेश के प्रख्यात संपादक, लेखक महेश श्रीवास्तव कहते हैं कि बहन-बेटियों के बीच शिवराज सिंह चौहान का रिश्ता निस्संदेह और भी विश्वसनीय हुआ है। यह वर्ग पहले से ही जुड़ा था, जो महिलाएं अब तक बीजेपी को वोट नहीं दे रहीं थीं। अब उनका भी विचार बदल रहा है और ऐसे वोट 10 प्रतिशत भी मिले तो बीजेपी निर्णायक बढ़त हासिल कर लेगी।

हर तीसरे थाने की कमान महिलाओं के हाथ

यह तथ्य संभवत: उतना ज्ञात नहीं है कि मध्यप्रदेश देश का संभवत: ऐसा पहला राज्य है जिसका एक तिहाई बजट महिलाओं के लिए समर्पित है। वर्ष 2023-24 के बजट में महिला सशक्तिकरण हेतु 1 लाख 2 हजार 976 करोड़ का प्रावधान रखा गया है जो कि बजट के कुल आकार का 32.7 प्रतिशत है। महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए संभवत: सबसे अधिक कहीं योजनाएं कहीं हैं तो मध्यप्रदेश में। यह अलग बात है कि नौकरशाही-लालफीताशाही के चलते ये 100 की 100 प्रतिशत उन तक नहीं पहुंच पातीं। यह भी जानना कम दिलचस्प नहीं कि प्रदेश के औसतन हर तीसरे थाने की कमान महिलाओं के हाथ है। स्कूलों में यह संख्या आधे-आधे के करीब और नगरीय और पंचायत निकायों में इनके लिए 50 फीसदी सीटें आरक्षित ही हैं।

लाड़ली बहनों का भरोसा बढ़ा: राजधानी के ख्यात पत्रकार पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर कहते हैं कि यह सही है कि महिलाओं की योजनाओं को यथार्थ के धरातल तक पहुंचने में जरा मुश्किल तो होती है, पर लाड़ली बहनों की सम्मान निधि सीधे उनके खातों में पहुंचने से उनका भरोसा सरकार और शिवराज जी के प्रति बढ़ा है। लाड़ली बहना योजना चुनावी दृष्टि से निश्चित ही फायदा पहुंचाएगी पर इसका कितना प्रतिशत होगा अभी कह नहीं सकते। दरअसल, इस योजना का प्रचार अकेले सरकार ने किया, कार्यकर्ताओं की वैसी रुचि देखने में नहीं आई।

बीजेपी को जिताएंगी महिलाएं ?

अब मध्यप्रदेश में महिलाओं के वोट की गणित को भी समझते चलें। चुनाव आयोग के अनुसार प्रदेश में कुल 5,61,36,229 वोटर्स हैं, इनमें महिला वोटर्स की संख्या 2,72,33,945 है। प्रदेश सरकार का दावा है कि लगभग 1 करोड़ 31 लाख लाड़ली बहनें रजिस्टर्ड हो चुकी हैं और इन्हें लाभ मिलना प्रारंभ भी हो चुका है। यानी कि कुल वोटर्स में 20 से 22 प्रतिशत उन महिलाओं के वोट हैं जो लाड़ली बहनों के तौर पर लाभार्थी हैं। कुल महिला वोटर्स में यह संख्या लगभग 50 प्रतिशत है। यह मानकर चलते हैं सामान्यत: अन्य दलों के मुकाबले महिलाएं बीजेपी को ज्यादा वोटिंग करती आई हैं। यदि 10 से 15 प्रतिशत वे महिलाएं बीजेपी की ओर आ जाएं तो फिर तो फिर चुनाव परिणाम स्वमेव उछलकर बीजेपी के पाले आ जाएगा।

कांग्रेस लाई नारी सम्मान योजना

इंदौर के प्रतिष्ठित पत्रकार डॉ. प्रकाश हिन्दुस्तानी बताते हैं कि लाड़ली लक्ष्मी एवं लाड़ली बहना दोनों ही योजनाएं काफी सोच-समझकर और मनोवैज्ञानिक अध्ययन के बाद बनाई गई हैं। इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि कांग्रेस इससे भयाक्रांत होकर नारी सम्मान योजना लेकर आई। अब कागज पर योजना और खाते में आए लाभ में से किसी एक को चुनना होगा तो कोई भी प्रत्यक्ष लाभ को ही चुनेगा। हिन्दुस्तानी कहते हैं कि बिना शक लाड़ली बहना गेम चेंजर साबित होने जा रही है। वस्तुत: शिवराज सिंह चौहान ने पिछले 18 वर्षों में आम नेताओं से अलग हटकर एक बेहद संवेदनशील और रिश्तों में जीने वाले नेता की छवि गढ़ी है। महाकौशल के वरिष्ठ पत्रकार चैतन्य भट्ट कहते हैं कि विपक्ष उन्हें लाख नौटंकियां कहें पर वे संवेदनशील हैं। यद्यपि मैं मुफ्त की रेवड़ी के खिलाफ हूं, फिर भी यह कहने में कोई संकोच नहीं कि उन्होंने प्रदेश के वोटरों के एक विशाल वर्ग के तौर पर महिलाओं को अपने पक्ष में खड़ा कर लिया है, यही उनकी ताकत भी है।

नि:संदेह गेम चेंजर साबित होगी लाड़ली बहना योजना

लाड़ली लक्ष्मी और लाड़ली बहना योजनाओं का असर समग्रता में भी पड़ेगा, वरिष्ठ पत्रकार राघवेन्द्र सिंह कहते हैं एक अच्छी बात यह कि जाति-पांत और धर्म से परे यह वोटरों का नया वर्ग है जो अब चुनाव की धारा मोड़ने में सक्षम है। शिवराज सिंह चौहान हैं तो दर्शनशास्त्र के स्कॉलर, लेकिन उनकी सोशल इंजीनियरिंग का देशभर में कोई जोड़ नहीं। राघवेन्द्र सिंह चौहान की विधानसभा क्षेत्र के वोटर के साथ ही उनके पड़ोसी गांव डोबी के हैं।

निष्कर्ष

क्या यह मानकर चलें कि लाड़ली बहना इस चुनाव में गेम चेंजर साबित होने वाली है? मध्यप्रदेश गान लिखने वाले कवि, लेखक और संपादक महेश श्रीवास्तव की मानें तो निश्चित, निस्संदेह !

कुत्ते के काटने पर.. अदालत का आदेश

राकेश दुबे

भोपल में भी कुत्ते के काटने के कई मामले सामने आए है, यूँ तो कुत्ते के काटने की घटनाओं में वृद्धि के चलते इस बाबत समाज में लगातार चिंता व्यक्त की जाती है। कोई ठोस कदम किसी स्तर पर नहीं दिखाई नहीं देता।

उधर ऐसे मामले में पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए राज्य सरकारों को निर्देश दिया है कि कुत्तों के काटने पर पीड़ित व्यक्ति को समय से मुआवजा मिलना सुनिश्चित किया जाए। दरअसल, इस तरह के मामलों में बढ़ती शिकायतों के बाद कोर्ट ने 193 याचिकाओं का निपटारा करते हुए यह फैसला दिया। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि ये मामले इतने बढ़ गये हैं कि लोगों को कोर्ट आने को मजबूर होना पड़ रहा है।

अदालत ने स्पष्ट किया कि मुआवजे देने के लिये राज्य सरकारें जिम्मेदार होंगी। कोर्ट ने हरियाणा व पंजाब सरकारों एवं चंडीगढ़ प्रशासन को निर्देश दिया कि मुआवजा तय करने के लिये समिति बनायी जाए। समितियां जिलों के डिप्टी कमिश्नर की अध्यक्षता में बनेंगी। पीड़ित पक्ष द्वारा आवेदन करने के उपरांत जांच की जाए तथा चार माह की अवधि में पीड़ित को मुआवजा मिल जाए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मुआवजे के लिये सरकारें जवाबदेह हैं। साथ ही राज्य को डिफॉल्ट एजेंसी व व्यक्ति से इसकी वसूली का अधिकार रहेगा। कुत्ते के काटने पर दिया जाने वाला न्यूनतम मुआवजा दस हजार रुपये होगा। वहीं शरीर पर घाव की स्थिति में मुआवजा उसकी गहराई के आधार पर न्यूनतम बीस हजार रुपये तय होगा।

इसके साथ ही कोर्ट ने सड़कों को आवारा जानवरों से मुक्त रखने के भी निर्देश दिये। कोर्ट ने आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या से होने वाली मौतों पर दुख जताया। यह भी कहा कि इसका मानव जीवन पर असर पड़ रहा है। आवारा पशुओं का सड़कों पर कब्जा करना चिंताजनक हैं। अब सरकार को यह बोझ उठाना चाहिए और पीड़ितों को राहत मिलनी चाहिए। यह भी कि आवारा व जंगली जानवरों के सड़कों पर आने से होने वाली दुर्घटनाएं बढ़ी हैं। इलाके में स्थित थाने के एसएचओ को इस बाबत रोज रिपोर्ट तैयार करनी चाहिए। बाद में पुलिस अधिकारी दावे की जांच करके पीड़ित को मुआवजा दिलाए।

निस्संदेह, अदालत की यह पहल एक सराहनीय कदम है। ऐसे मामलों में कुत्ता पालने वाले लोगों से मुआवजा वसूलना भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। अकसर देखा जाता है कि ऐसे लोग प्रभाव का इस्तेमाल करके मुआवजा देने से बच जाते हैं। इतना ही नहीं पार्क व अन्य स्थानों में पालतू जानवरों को घुमाने वाले लोग सार्वजनिक स्वच्छता का ध्यान भी नहीं रखते और ये जगह-जगह गंदगी फैलाने लगते हैं।

विदेशों में सख्त प्रावधान है कि पालतू जानवर के गंदगी फैलाने पर उसको उठाने की जिम्मेदारी कुत्ते के मालिक की होती है। लेकिन भारत में गली-चौराहे में गंदगी फैलाना लोग अपना अधिकार मान लेते हैं। निश्चित रूप से यदि पालतू कुत्ते किसी को काटते हैं तो मालिक की जिम्मेदारी तय करते हुए मुआवजा की वसूली उससे की जानी चाहिए। यहां सवाल आवारा कुत्तों के काटने से होने वाली मौतों का भी पैदा होता है। घर का कमाऊ व्यक्ति यदि रैबीज संक्रमण से मर जाता है तो उसके परिवार का क्या होगा? अब यदि कोर्ट ने काटने पर मुआवजा तय किया है तो व्यक्ति की मौत पर भी पीड़ित परिवार के लिये मुआवजा तय किया जाना चाहिए।

विडंबना यह भी है कि अक्सर आवारा जानवरों के हमलों का शिकार बुजुर्ग व बच्चे ही होते हैं क्योंकि वे अपना बचाव करने में सक्षम नहीं होते। ऐसे में यह भी जरूरी हो जाता है कि मुआवजे के साथ ही पीड़ित व्यक्ति के महंगे इलाज का खर्च भी सरकार वहन करे। साथ ही सस्ते मूल्य पर रैबीज के टीके उपलब्ध कराये जाएं ताकि पीड़ित गरीब व्यक्ति को दोहरी मार से राहत मिल सके। निस्संदेह, सदियों से कुछ जानवर मनुष्य के सहचर रहे हैं, लेकिन बदलती परिस्थितियों में वे ही लोगों के लिये समस्या की वजह बन गए हैं। वहीं पारिस्थितिकीय संतुलन के लिये भी जरूरी है कि मनुष्य के सहचर जीव-जंतु अपना अस्तित्व बनाये रखें। जरूरत इस बात की भी है कि बदले हालात में उनके अस्तित्व को बनाये रखने के साथ ऐसी व्यवस्था हो कि वे किसी व्यक्ति के जीवन पर संकट का वाहक न बनें।

सिल्वर स्क्रीन: सिनेमा के परदे पर दुबकी सी क्यों रहती है दिवाली

हेमंत पाल

त्यौहारों का सिनेमा से लम्बा जुड़ाव रहा है। फिल्म के कथानकों में हर धर्म के त्योहारों को मौके-बेमौके फिल्माया गया। हिंदू धर्म के ज्यादातर त्योहारों को पूरे उत्साह से मनाते दर्शकों ने देखा है। इनमें सबसे ज्यादा होली, रक्षाबंधन और करवा चौथ को फिल्माया गया। लेकिन, सबसे बड़े त्यौहार दिवाली को फिल्मों में अपेक्षाकृत बहुत कम दिखाया। मूक फिल्मों के ज़माने में जब त्यौहारों पर केंद्रित फ़िल्में ज्यादा बनती थी, उस समय जरूर दिवाली पर कुछ फ़िल्में बनी।

लेकिन, धीरे-धीरे इस त्यौहार को फिल्माने का चलन घटता गया। आज भी दिवाली के प्रसंगों को पहले की तरह नहीं दर्शाया जाता। साल दो साल में कभी कोई फिल्म आ जाती है, जिसमें दिवाली के कुछ दृश्य या कोई किसी प्रसंगवश गीत दिखाई दे जाता है। लेकिन, कुछ सालों से दिवाली तो परदे से बिल्कुल ही गायब हो गई है। दिवाली के दृश्यों और गानों से फिल्मकार लगभग किनारा कर चुके हैं। विषयवस्तु में भी अब काफी बदलाव आ गया। पटकथा की मांग में अब अन्य त्यौहारों के साथ दिवाली भी हाशिए पर चली गई। एक समय था, जब दिवाली वाली फिल्मों की सफलता सुनिश्चित रहती थी। किंतु, हाल के सालों में बड़े परदे पर इस त्यौहार को लगभग भुला दिया गया। होली और रक्षाबंधन के मुकाबले सिनेमा के परदे पर दिवाली की आतिशबाजी कम ही दिखाई देने लगी।

हिंदू समाज में दिवाली भले ही देश का सबसे बड़ा त्यौहार माना और कहा जाता हो, पर इस रंग-बिरंगे त्यौहार को परदे पर उसकी भव्यता और मान्यता के मुताबिक कभी फिल्माया ही नहीं गया। जिस तरह होली, गणेश चतुर्थी और रक्षा बंधन की फ़िल्मी कथानकों में धूम रही, वो अहमियत दिवाली को कभी नहीं मिली। फिल्मों के इतिहास पर नजर डाली जाए तो समझ आता है कि फिल्मों के कथानक में दिवाली का दखल करीब नहीं के बराबर है। कुछ फिल्मों में यह त्यौहार खुशियों के प्रतीक की तरह दर्शाया गया, लेकिन वो भी एक गीत या किसी प्रसंग तक सीमित रहा। ये कभी कथानक का अहम हिस्सा नहीं रहा। हाल के सालों में करण जौहर ने 'कभी खुशी कभी गम' में जरूर दिवाली को भव्य रूप में पेश किया था। फिल्म 'मुझे कुछ कहना है' में तो दिवाली को अलग ही अंदाज में फिल्माया गया। फिल्म का निकम्मा नायक तुषार कपूर दिवाली की रात सड़क पर भटक रहा होता है, तभी करीना कपूर को देखकर उसके जीवन में आशा उमड़ती है। दरअसल, ये ऐसा दृश्य था जिसका दिवाली से कोई वास्ता नहीं था।

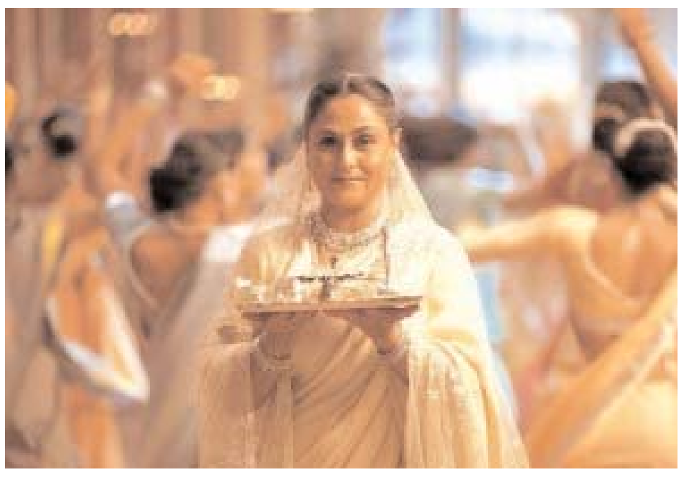

1940 में आई जयंत देसाई की फिल्म 'दिवाली' इस त्योहार से जुड़कर बनी पहली फिल्म कही जाती थी।इसके बाद 1955 में गजानन जागीरदार की फिल्म 'घर घर में दिवाली' आई। सालभर बाद 1956 में दीपक आशा की 'दिवाली की रात' में भी दिवाली को कथानक बनाया गया था। 1961 में ब्लैक एंड व्हाइट दौर में आई राज कपूर और वैजयंती माला की फिल्म 'नजराना' भी उन फिल्मों में थी, जिनका कथानक में दिवाली के आसपास था। फिल्म का गीत 'मेले है चिरागों के रंगीन दिवाली है' आज भी सुनाई दे जाता है। 1962 में आई 'हरियाली और रास्ता' में दिवाली के दृश्य नायक और नायिका के विरह को दर्शाते हैं। दिलीप कुमार और वैजयंती माला की फिल्म 'पैगाम' और 'लीडर' में भी दिवाली के माध्यम से फिल्म के किरदारों को जोड़ने का प्रयास किया था। 1972 की फिल्म 'अनुराग' में परिवार के कैंसर पीड़ित बच्चों की अंतिम इच्छा पूरी करने के लिए पूरा मोहल्ला दिवाली मनाने जुटता है।

इसके बाद बनने वाली फिल्मों में दिवाली के प्रसंग को कहानी में मोड़ लाने के लिए जोड़ा तो गया, लेकिन फिल्म का कथानक दिवाली पर केंद्रित नहीं रहा। 'यादों की बारात' और 'जंजीर' भी उन फिल्मों में है, जिनकी शुरुआत दिवाली के दिन परिवार पर विलेन के हमले से होती है। आतिशबाजी की आवाजों के बीच गोलियां चलने और पूरे परिवार के खत्म हो जाने वाले दृश्य को अमिताभ बच्चन को सितारा बनाने वाली फिल्म 'जंजीर' में बेहद प्रभावशाली ढंग से फिल्माया गया था। जबकि, 'यादों की बारात' में तीन भाई इस हमले के बाद बिछुड़ जाते हैं। लेकिन, बाद में फिल्म में इसे आगे नहीं बढ़ाया गया। कमल हासन की 1998 में आई फिल्म 'चाची 420' में कमल हासन की बेटी को पटाखों से घायल होते दिखाया गया था। आदित्य चोपड़ा की फिल्म 'मोहब्बतें' (2000) में भी दिवाली का प्रभावी दृश्य था। 'तारे जमीन पर' 2007 में आई थी। इसमें आमिर खान के अलावा बाल कलाकार दर्शील सफारी ने जबरदस्त अभिनय किया था। इसमें दिखाया था कि दर्शील को बोर्डिंग स्कूल में परिवार की याद आती है। जबकि, उसके आसपास के लोग अपनी खुशी के लिए दिवाली मनाते हैं। 2001 में अमिताभ बच्चन की फिल्म निर्माण कंपनी 'एबीसीएल' ने आमिर खान और रानी मुखर्जी के साथ 'हैप्पी दिवाली' बनाने का एलान तो किया, पर यह फिल्म न तो बनी और न परदे तक पहुंच सकी।

फिल्म 'वास्तव' (1999) में भी दिवाली का यादगार सीन है। इसमें गैंगस्टर संजय दत्त दिवाली पर घर आता है। गले में सोने की मोटी चेन, हाथ में पिस्टल और दूसरे में नोटों की गड्डी मां के सामने बोलता हैं 'इसे 50 तोला बोलते हैं।' चेतन आनंद की फिल्म 'हकीकत' (1965) में भी दिवाली का उल्लेख है। भारत और चीन के बीच 1962 में हुए युद्ध के एक दृश्य में दिवाली के दिन अभिनेता जयंत देश के जवानों को एक बेहद मार्मिक संदेश भेजते हैं। 1973 की फिल्म 'जुगनू' में दिवाली पर एक गीत है, जिसके बोल थे 'दीप दिवाली के झूठे, रात जले सुबह टूटे, छोटे-छोटे नन्हे-मुन्ने, प्यारे-प्यारे रे, अच्छे बच्चे जग उजियारे रे!' यह गीत धर्मेंद्र पर फिल्माया था। 2005 में आई फिल्म 'होम डिलेवरी' का गीत 'मेरे तुम्हारे सबके लिए हैप्पी दिवाली' था।

दिवाली के कथानक और दृश्य ही नहीं इस पृष्ठभूमि पर रचे गए कुछ गानों को भी जबरदस्त लोकप्रियता मिली। फिल्म 'रतन'(1944) के गीत 'आई दिवाली दीपक संग नाचे पतंगा' की पृष्ठभूमि में नौशाद ने विरह-भाव की रचना की थी। मास्टर गुलाम हैदर ने फिल्म 'खजांची'(1941) के गीत 'दिवाली फिर आ गई सजनी' में पंजाबी टप्पे का आकर्षक प्रयोग किया था। 'महाराणा प्रताप' (1946) में 'आई दीवाली दीपों वाली' की पारंपरिक धुन सुनने को मिली थी। 'आई दीवाली दीप जला जा' (पगड़ी) गीत में आग्रह का पुट था। 'शीश महल'(1950) के गीत 'आई है दीवाली सखी आई रे'को वसंत देसाई ने पारंपरिक ढंग से स्वरबद्ध किया था। 1961 की फिल्म 'नजराना' के गीत को लता मंगेशकर ने आवाज दी थी, जो दिवाली की रौनक को दर्शाता है। 'शिर्डी के साईं बाबा' का गीत 'दीपावली मनाई सुहानी' आज भी पसंद किया जाने वाला गीत है। गोविंदा अभिनीत फिल्म 'आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया' का गाना 'आई है दिवाली, सुनो जी घरवाली' को भी दिवाली को केंद्र में रखकर रचा गया था।

1951 की फिल्म 'स्टेज' का गाना जगमगाती दिवाली की रात आ गई, अपने दौर में काफी हिट हुआ था, जिसे आशा भोंसले ने आवाज दी थी। 1957 की फिल्म 'पैसा' का गीत दीप जलेंगे दिवाली आई गीता दत्त की आवाज में था। 1959 में आई 'पैग़ाम' में मोहम्?मद रफ़ी का गाया और जॉनी वॉकर पर फिल्माया दिवाली गीत दरअसल कॉमेडी गाना था। 'नमक हराम' का राजेश खन्ना और अमिताभ पर फिल्माया गया गीत 'दीये जलते हैं फूल खिलते हैं' अपने फिल्मांकन के लिए दर्शकों को आज भी याद है। हम आपके है कौन, एक रिश्ता द बॉन्ड ऑफ लव और 'ख्वाहिश' आदि में भी दिवाली के दृश्य तो दिखाए गए, लेकिन वे कहीं से भी कहानी का हिस्सा नहीं लगते! 'हम आपके है कौन' में सलमान खान की भाभी बनी रेणुका शहाणे दिवाली के मौके पर बेटे को जन्म देती हैं। 2000 की फिल्म 'मोहब्बतें' में अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय मुख्य भूमिका में थे। इसमें दिवाली के अवसर पर पूरा गाना 'पैरों में बंधन हैं' फिल्माया गया। इससे फिल्म की कहानी को नया मोड़ मिलता है। फिल्मों में भले ही दिवाली गीतों की भरमार रही हो, पर आज भी ऐसी किसी फिल्म का इंतजार है जिसके कथानक में दिवाली हो।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

डंगरवारा की 103 उम्र की बुजुर्ग महिला ने बूथ पर जाकर किया मतदान

औबेदुल्लागंज । मतदान केंद्र 191 डंगरवारा में 103 वर्षीय गुलाब बाई द्वारा मतदान केंद्र आकर मताधिकार का प्रयोग किया है। बता दें कि ब्लॉक ऑफिसरों द्वारा 80 वर्ष से ऊपर की महिलाओं के घर-घर जाकर वोटिंग कराई गई थीं परंन्तु 103 वर्षीय गुलाब बाई द्वारा मतदान केंद्र आकर मतदान किया। मतदान का परिणाम आगामी 03 तारीख को सामने आना है। मण्डीदीप से राजकुमार पटेल को बढ़त के कयास लगाये जा रहे हैं वहीं, अमोदा, गौहरगंज पटवा के पक्ष में देखी जा रही हैं। भोजपुर सीट कांटे की टक्कर बताई जा रही है। कई नये वोटरों ने भी अपने मत्ताधिकार का प्रयोग किया गया। प्रशासन द्वारा औबेदुल्लागंज में पिंक बूथ बनाये गये थे, जिसमे मतदाता सोच समझकर व आराम से बैठकर मतदान की सोच सके।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने माना मतदाताओं का आभार

सिवनी- जिला कॉग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजकुमार खुराना ने सिवनी जिले के समस्त मतदाता, भाई, बहनों, माताओं, बुजर्गो का आज सम्पन्न हुये मतदान के लिये सभी का आभार व्यक्त किया है। साथ ही उन्होंने चुनाव कार्य में लगे अधिकारियों, कर्मचारियों व पुलिस बल के साथ मीड़िया की भी उनके योगदान के लिए प्रशंसा की है। मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुऐ कहा कि, यह देश में लोकतंत्र की मजबूती एवं परिपक्वता का प्रमाण है। श्री खुराना ने कहा कि मतदाताओं ने मतदान के लिये जिले की चारों विधानसभा में जिस उत्साह का परिचय दिया है वह निश्चित रूप से अविस्मणीय है।

भाजपा प्रत्याशी दिनेश राय ने मतदाताओं आभार व्यक्त किया

सिवनी- 17 नवंबर को सिवनी विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी दिनेश राय मुनमुन ने शांति पूर्ण चुनाव प्रक्रिया संपन्न होने पर सभी के प्रति आभार प्रकट किया। भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि सिवनी विधानसभा चुनाव में विधानसभा क्षेत्र के मतदाता बंधुओं ने बड़े उत्साह के साथ मतदान कर लोकतंत्र के प्रति अपनी आस्था प्रगट की है। विधानसभा क्षेत्र के समस्त मतदाता बंधुओं एवं मातृशक्ति ने भारी उत्साह के साथ लोकतंत्र के महायज्ञ में अपनी आहूति डाली और उनके उत्साह पूर्ण मतदान से निश्चित रूप से लोकतंत्र को मजबूती प्राप्त हुई है। जिसके लिए मै विधानसभा क्षेत्र के समस्त मतदाताओं एवं वरिष्ठ भाजपा नेताओं, भाजपा पदाधिकारियों, जेष्ठ-श्रेष्ठ देवतुल्य कार्यकर्ता का ह्रदय से आभार व्यक्त करता हूं। इसके साथ ही भाजपा प्रत्याशी श्री राय ने शांति पूर्ण, निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकार बंधुओं सहित चुनाव प्रक्रिया में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वालों का धन्यवाद ज्ञापित किया है ।

42 प्रत्याशियों का चुनावी भाग्य ईवीएम में बंद हुआ

खरगोन भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार खरगोन जिले के 06 विधानसभा क्षेत्रों से प्रतिनिधि के निर्वाचन के लिए आज 17 नवंबर को मतदान कराया गया है। जिले में मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हो गया है और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की कोई सूचना नहीं है। मतदान संपन्न होने के साथ में जिले के 06 विधानसभा क्षेत्रों से अपना चुनावी भाग्य अजमा रहे 42 प्रत्याशियों का चुनावी भाग्य ईवीएम में बंद हो गया है। मतदान के उपरांत ईवीएम को पीजी कॉलेज में बनाए गए स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा में रखा गया है। मतदाताओं द्वारा डाले गये मतों की गणना आगामी 03 दिसंबर को पीजी कॉलेज खरगोन में बनाएं गए मतगणना स्थल पर की जाएगी। 17 नवंबर को जिले के 06 विधानसभा क्षेत्रों के 1541 मतदान केन्द्रों पर प्रातः 07 बजे से मतदान प्रारंभ हो गया है। मतदाताओं में मतदान को लेकर भारी उत्साह देखा गया और मतदान केन्द्रों पर सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतारे लगना प्रारंभ हो गई थी। कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह ने अंबेडकर भवन खरगोन में बनाएं गए मतदान केन्द्र में सबसे पहले मतदान किया और आम मतदाताओं को सारे काम छोड़कर सबसे पहले मतदान करने का संदेश दिया। अंबेडकर भवन के मतदान केन्द्र को आदर्श मतदान केन्द्र बनाया गया था और इस मतदान केन्द्र में मतदान के लिए आने वाले मतदाताओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। कलेक्टर श्री शर्मा ने जिले के विभिन्न मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर मतदान व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ठीबगांव बुजुर्ग, प्रेमनगर, अंदड़ सहित खरगोन के विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया।

दो बुजुर्ग भाईयों ने भी किया मतदान मतदान करने में युवाओं ने जहां भारी उत्साह दिखाया वहीं बुजुर्ग मतदाता भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने में पीछे नहीं रहे हैं। खरगोन विधानसभा के ग्राम अकावलिया के निवासी 96 वर्षीय काशीराम पाटीदार अपने छोटे भाई 86 वर्षीय तुलसीराम पाटीदार के साथ मतदान करने मतदान केन्द्र पहुंचे थे। यह दोनों भाई अपने पंसद की सरकार चुनने में अपनी भागीदारी तय कर बहुत खुश थे। जिले के सभी मतदान केन्द्रों पर दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर का इंतजाम किया गया था जिससे वे बिना किसी परेशानी के मतदान कर सके।

मतदान का निशान दिखाओ पेट्रोल सीएन जी पर एक रुपए की छूट पाओ

हजारों लोगों ने लाभ लिया हमारा उद्देश्य अधिक मतदान करना था पेट्रोल टैंक संचालिका: रश्मि सेंगर

ओबेदुल्लागंज। नगर के समीप टोल नाके के पास स्तिथ निशिता पेट्रोल पम्प संचालक श्रीमति रश्मि सेंगर ने मतदाता को जागरूक करते हुए पूर्ण मतदान कराने के संकल्प के लिए एक नई चीज जारी करते हुए अपने पेट्रोल पंप पर बोर्ड लगाकर मतदान कर निशान दिखाओ और पेट्रोल वा सीएनजी में एक रुपए लीटर की छूट पाओ इस अवसर पर इस अवसर पर कई नागरिकों ने मतदान का निशान दिखाकर निषाद पेट्रोल टैंक पर पेट्रोल सीएनजी का लाभ लिया बीपीसीएल के अधिकारी गौरव कौशिक, राम कुमार, आशीष श्रीवास्तव ने पेट्रोल टैंक संचालक की भूरी भूरी प्रशंसा की वही नागरिकों ने भी बताया कि इस पेट्रोल टैंक संचालक द्वारा कई आयोजन किया जाता है जिसका क्षेत्र के लोगों के साथ-साथ दूर दराज से आने जाने लोगों को भी फायदा होता है

इस संबंध में निशिता पेट्रोल पंप विशन खेड़ा की संचालक श्री मती रश्मि सेंगर ने बताया की मतदान के दिन जो भी व्यक्ति मतदान का निशान दिखाएगा उसे 1 रुपए लीटर पेट्रोल और सी एनजी में छूट दी जाएगी। इस छूट का उद्देश लोगो को अधिक से अधिक मतदान करवाना के लिए प्रेरित करना हे।

निशिता पेट्रोल संचालिका श्रीमती रश्मि सेंगर

लोगों में मतदान के प्रति जागरूकता को लेकर हमारे द्वारा यह कार्य किया गया है जिसमे 1200 ने सीएनजी एव 2000 लोगों ने पेट्रोल का लाभ मतदान का निशान दिखाकर लिया हमारा उद्देश्य अधिक से अधिक मतदान हो सके

सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप सेंगर

उदयपुरा विसः शांतिपूर्ण मतदान के लिए नरेन्द्र पटेल ने मतदाताओं, निर्वाचन आयोग और प्रशासन को दी बधाई

कार्यकर्ता के परिश्रम से होगी भारतीय जनता पार्टी जीत : नरेन्द्र शिवाजी पटेल

बरेली। उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र शिवाजी पटेल ने विधानसभा चुनाव में लगभग शांतिपूर्ण मतदान संपन्न होने पर मतदाताओं, चुनाव आयोग तथा पुलिस प्रशासन को बधाई दी है। उन्होने उदयपुरा विधानसभा के सभी क्षेत्रों में व्यवस्थित मतदान के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं और पार्टी हितचिंतकों का आभार व्यक्त किया है। नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने उदयपुरा विधानसभा की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस तरह विधानसभा के मतदाताओं ने मतदान के लिए उत्साह दिखाया और लोकतंत्र में जागरूकता का परिचय दिया उससे भारतीय लोकतंत्र समृद्ध हुआ है। यह प्रदेश में पिछले दो दशक के दौरान हुए विकास कार्यों का प्रमाण है। विकास और सुशासन से प्रदेश की जनता अभिभूत है। मतदान का क्रम सुबह से प्रारंभ हुआ एवं मतदान समाप्त होने तक लंबी लाइनों में महिला-पुरूष एवं युवा वर्ग के मतदाता अपने क्रम का उत्साहपूर्वक इंतजार करते रहे, यह बात प्रमाणित हो गयी है कि अपने अधिकारों के प्रति जहां हर वर्ग में उत्सुकता है, वहीं कर्त्तव्यों के प्रति भी जागरूकता आयी है। श्री पटेल ने पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं ने संगठन के लक्ष्य को शिरोधार्य कर संगठन की गौरवशाली परंपरा का निर्वाहन किया है। क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ता पूरे चुनाव के दौरान मेरे कंधा से कंधा मिलकर साथ चले बरिष्ट जनों के मार्गदर्शन में हमने भारतीय जनता पार्टी को प्रत्येक बूथ तक मजबूत किया सभी के मार्गदर्शन और परिश्रम के कारण भारतीय जनता पार्टी उदयपुरा विधानसभा में इतिहास रचेंगी 7 सभी कार्यकर्ता बधाई के पात्र है। जिला सह-मीडिया प्रभारी रोहित चौधरी ने सभी पत्रकार बंधुओ का आभार जताते हुए कहा कि उदयपुरा विधानसभा चुनाव के दौरान सभी मीडिया बन्धुओं का पूर्ण सहयोग मिला ।

जिले वासियों ने लोकतंत्र के महापर्व में बढ-चढकर लिया हिस्सा

सिवनी- विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत शुक्रवार 17 नवम्बर को संपूर्ण जिले में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित संपन्न हुई। जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों में बढ-चढकर मतदाताओं ने लोकतंत्र के महापर्व में अपनी सहभागिता दी। जिले के सभी 1406 मतदान केन्द्रों में प्रातःकाल से मतदाताओं की लंबी-लंबी कतारे दिखाई देने लगी थी, जहां 110 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग स्वयं मतदान करने पहुंचे वही पहली बार मताधिकार का उपयोग कर रहे नवमतदाताओं में मतदान को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। प्राप्त जानकारी अनुसार प्रात॰ 07 बजे से प्रारंभ हुई मतदान प्रक्रिया अंतर्गत प्रात॰09 बजे की स्थिति में 13.36 प्रतिशत मतदान हुआ था। जिसमें बरघाट 15.45 प्रतिशत, सिवनी में 12.07 प्रतिशत, केवलारी में 13.11 प्रतिशत, लखनादौन में 13.06 प्रतिशत मतदान हुआ था। प्रात॰ 11 बजे की? स्थिति में कुल 32.32 प्रतिशत मतदान हो चुका था। जिसमें बरघाट 34.15 प्रतिशत, सिवनी में 29.33 प्रतिशत, केवलारी में 32.74 प्रतिशत, लखनादौन में 33.23 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसी तरह दोपहर 01 बजे की? स्थिति में कुल 52.13 प्रतिशत मतदान हो चुका था। जिसमें बरघाट 54.36 प्रतिशत, सिवनी में 47.34 प्रतिशत, केवलारी में 53.70 प्रतिशत, लखनादौन में 53.37 प्रतिशत मतदान हुआ था। दोपहर 03 बजे की? स्थिति में कुल 69.19 प्रतिशत मतदान हो चुका था। जिसमें बरघाट 71.01 प्रतिशत, सिवनी में 64.75 प्रतिशत, केवलारी में 71.12 प्रतिशत, लखनादौन में 70.13 प्रतिशत मतदान हुआ था। शाम 05 बजे की? स्थिति में कुल 81.85 प्रतिशत मतदान हो चुका था। जिसमें बरघाट 84.16 प्रतिशत, सिवनी में 78.35 प्रतिशत, केवलारी में 83.80 प्रतिशत, लखनादौन में 81.48 प्रतिशत मतदान हुआ था। समाचार लिखे जाने तक जिले में रिकार्ड 85 प्रतिशत से अधिक मतदान संपन्न हो चुका था। जिले के विभिन्न केद्रों में शाम 06 बजे की स्थिति में मतदान केन्द्र में प्रवेश कर चुके मतदाताओं से मतदान कराये जाने का कार्य जारी रहा। तत्कालीन ऑकडे अनुसार बरघाट में 87.54 प्रतिशत, सिवनी में 82.77 प्रतिशत, केवलारी में 87.31 प्रतिशत तथा लखनादौन में 84.23 प्रतिशत मतदान हो चुका था।

जिले में हुआ रिकार्ड मतदान

लोकतंत्र के महायज्ञ में जिले का 83 .09 फीसदी हुआ मतदान

त्रिकोणीय मुकाबले में कोन होगा विधायक, इंतजार 3 दिसंबर का

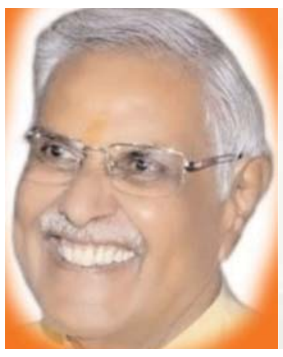

नर्मदापुरम। को विधानसभा चुनाव के लिए मतदाताओं ने मतदान के त्रिकोणीय मुकाबले में आहुतियां देने के लिए जबरदस्त उत्साह दिखाया। जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में कुल वोटिंग 83.09 प्रतिशत रहा जो 2018 के मुकाबले में 1.09 अधिक है।सिवनी मालवा क्षेत्र में 84 प्रतिशत होशंगाबाद इटारसी विधानसभा क्षेत्र में 76 प्रतिशत पिपरिया विधानसभा क्षेत्र मे 84.3 प्रतिशत और सुहागपुर में 87 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान के साथ ही भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर सीता शरण शर्मा, कांग्रेस के प्रत्याशी गिरजा शंकर शर्मा, स्वतंत्र प्रत्याशी भगवती प्रसाद चोरे सहित 11 प्रत्याशियों का भाग्य ई वी एम में बंद हो गया। अब 3 दिसंबर को तय होगा कि जनता का नेता कोन होगा।

मतदान सुबह 7॰00 बजे शुरू हुआ 4 घंटे में 31.10त्न मतदान जिले में हो चुका था जिसमें सिवनी मालवा में 32.66 होशंगाबाद में 25.96 सुहागपुर में 34.32 एवं पिपरिया में 31त्न मतदाताओं ने मतदान किया वहीं दोपहर 1॰00 बजे यह आंकड़ा बढ़कर 47.254त्न पहुंच गया जिसमें सिवनी मालवा में 45.19 होशंगाबाद में 40 सुहागपुर में 53 एवं पिपरिया में 51. 54त्न मतदान हुआ शाम 5॰00 बजे चारों विधानसभा क्षेत्र में 76.5त्न मतदान रहा जिसमें सिवनी मालवा में 71 होशंगाबाद में 71 सुहागपुर में 82 एवं पिपरिया में 80त्न मतदान रहा ।

जिले के चारों विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 9 लाख 40 हजार 69 थी, इसमें से पुरुष मतदाता चार लाख 86 हजार 657 है , जिसमें महिला मतदाताओं की संख्या 4 लाख 53 हजार 377 है अन्य मतदाताओं की संख्या मात्र 35 है इसी तरह जिले में 18 से 19 वर्ष के नवीन मतदाताओं की संख्या 43603 है जिसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 23797 और महिला मतदाताओं की संख्या 19806 है 80 वर्ष से अधिक उम्र वाले मतदाताओं की संख्या 10905 थी, इन सभी मतदाताओं के लिए चारों विधानसभा क्षेत्र में 1187 मतदान केंद्र बनाए गए थे सभी मतदाताओं ने अपने मतदान का उपयोग करते हुए मतदान करने में जबरदस्त उत्साह दिखाया ।वही जिला प्रशासन की व्यवस्थाएं भी मतदान केंद्रों पर चक चौबंद थी ,विकलांग एवं बुजुर्ग मतदाताओं के लिए मतदान केंद्रों पर शानदार व्यवस्थाएं की गई थी। कुल मिलाकर संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र पर शांति के साथ उत्साह पूर्वक मतदान संपन्न हुआ।

बैतूल जिले ने जागरूक मतदाता के रूप में किया 81.80 प्रतिशत मतदान: कलेक्टर श्री बैंस

भैंसदेही सर्वाधिक 84.04 प्रतिशत मतदान जिले मै प्रथम

बैतूल। विधानसभा निर्वाचन 2023 में मतदान दिवस पर बैतूल जिले की पांच विधानसभा सीटों पर 81.80 प्रतिशत मतदान किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अमनबीर सिंह बैंस ने इसे युवा मतदाताओं का लोकतंत्र में बढ़ते विश्वास का परिचायक बताया। बैतूल जिले की पांच विधानसभा सीटों में सर्वाधिक 84.04 प्रतिशत मतदान भैंसदेही विधानसभा में किया गया। सबसे कम मतदान 78.09 प्रतिशत आमला विधानसभा में किया गया।

विधानसभा भैंसदेही

जिले की भैंसदेही विधानसभा सीट पर 84.04 प्रतिशत मतदान के साथ प्रथम स्थान पर रही। भैंसदेही में 1 लाख 12 हजार 561 पुरुष मतदाताओं ने मतदान किया। वहीं 1 लाख 8 हजार 410 महिला वर्ग की मतदाताओं ने वोट डाले। इस प्रकार कुल 2 लाख 20 हजार 971 मतदाताओं ने 333 मतदान केंद्र पर मतदान किया।

घोड़ाडोंगरी विधानसभा

घोड़ाडोंगरी विधानसभा क्रमांक 132 में कुल 2 लाख 16 हजार 867 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें से 1 लाख 9 हजार 635 पुरुष, 1 लाख 7 हजार 229 महिला एवं तीन अन्य मतदाताओं के साथ 83.43 प्रतिशत मतदान कर दूसरा स्थान रहा। इस प्रकार 333 मतदान केन्द्रों पर मतदान किया गया।

विधानसभा बैतूल

जिले की बैतूल विधानसभा सीट मतदान की दृष्टि से 81.84 प्रतिशत मतदान के साथ तीसरे स्थान पर रही। 293 मतदान केन्द्रों पर 2 लाख 8 हजार 596 मतदाताओं ने अपने अधिकारों का उपयोग कर मतदान किया। इसमें पुरुष वर्ग से 1 लाख 6 हजार 312 महिला वर्ग से 1 लाख 2 हजार 280 एवं 4 थर्ड जेंडर के मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया।

मुलताई विधानसभा

जिले की मुलताई विधानसभा सीट पर 1 लाख 86 हजार 041 मतदाताओं ने मतदान किया। इनमें 296 मतदान केन्द्रों पर पुरुष वर्ग से 95,723 एवं महिला वर्ग से 90,316 तथा थर्ड जेंडर के दो मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। इस प्रकार कुल 80.85 प्रतिशत मतदान के साथ मुलताई चौथे स्थान पर रहा।

आमला विधानसभा

जिले की आमला विधानसभा सीट पर 78.09 प्रतिशत मतदान किया गया। इस सीट के 276 मतदान केन्द्रों पर 1,68,362 मतदाताओं ने मतदान किया। इसमें पुरुष वर्ग से 85838 महिला वर्ग से 82,523 एवं थर्ड जेंडर से एक मतदाता ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। मतदान में मतदाताओं द्वारा बढ़-चढकर भाग लेने का एक कारण जिला प्रशासन एवं निर्वाचन आयोग द्वारा स्वीप के माध्यम से मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों के द्वारा मतदाताओं को निर्वाचन के लिए प्रोत्साहित किए जाने का भी परिणाम रहा है। पांच विधानसभा सीटों के लिए 49 प्रत्याशियों के भाग्य ईवीएम मशीनों में बंद हो गए हैं। मतदान का परिणाम किसी न किसी के पक्ष में तो होगा ही। कहा नहीं जा सकता परंतु मतदान के बड़े हुए प्रतिशत से आमजन का लोकतंत्र में विश्वास बढ़ता दिखाई देता है।

महिलाओ की तुलना पुरूषों का वोट प्रतिशत ज्यादा रहा।

मतदान सम्पन्न कराकर देर रात तक लौटे मतदान दलों का पुष्प वर्षा के साथ हुआ स्वागत

कलेक्टर के निर्देशानुसार मतदान दलों के लिए की गई थी अल्पाहार सहित समुचित व्यवस्थाएं

ओबैदुल्लागंज।.मप्र विधानसभा निर्वाचन-2023 अंतर्गत रायसेन जिले में 17 नवम्बर को मतदान सम्पन्न हुआ। मतदान दलों द्वारा मतदान संपन्न कराने के पश्चात जिला मुख्यालय रायसेन में शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में बनाए गए मतदान सामग्री वापसी केन्द्र पहुंचने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे ने मतदान दलों का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया। देर रात तक मतदान दलों का आने का सिलसिला जारी रहा। कलेक्टर श्री दुबे के निर्देशानुसार मतदान कराकर वापस लौट रहे दलों के लिए शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में अल्पाहार सहित समुचित व्यवस्थाएं की गईं थीं। मतदान दल भी की गई व्यस्थाओं से खुश नजर आए और उन्होंने व्यवस्थाओं के लिए जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया।

जिले में विधानसभा निर्वाचन हेतु चारों विधानसभाओं उदयपुरा, भोजपुर, सांची और सिलवानी में बनाए गए कुल 1226 मतदान केन्द्र पर स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से मतदान सम्पन्न हुआ।

छतरपुर जिले में औसत 72 प्रतिशत मतदान का अनुमान

मतदान में मतदाताओं ने उत्साह से भाग लिया, बूथ पर महिलाओं की लंबी कतार देखने को मिली

छतरपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार छतरपुर जिले के सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों में 17 नवम्बर को मतदान संपन्न हुआ। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी.आर. द्वारा जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए व्यापक इंतजाम किये गये थे। जिले में औसत 72 प्रतिशत मतदान का अनुमान है। जिले में शाम 7 बजे तक 71.48 प्रतिशत मतदान की जानकारी है। जिसमे विधानसभा क्षेत्र महाराजपुर में कुल 72.68 प्रतिशत जिसमें पुरूष 73.93 एवं महिला 71.28, चंदला में कुल 67.72 प्रतिशत जिसमें पुरूष 68.25 एवं महिला 67.1, राजनगर में कुल 70.36 प्रतिशत जिसमें पुरूष 71.5 एवं महिला 69.07, छतरपुर में कुल 73.33 प्रतिशत जिसमें पुरूष 74.71 एवं महिला 71.8, बिजावर में कुल 72.4 प्रतिशत जिसमें पुरूष 73.9 एवं महिला 70.69 और मलहरा में कुल 72.53 प्रतिशत जिसमें पुरूष 74.15 एवं महिला 70.69 प्रतिशत रहा। जिले में सभी विधानसभा क्षेत्र में प्रातः 7 बजे से मतदान केन्द्रों में मतदान प्रारंभ हो गया था। ऐसे अनेक मतदाता जो सबसे पहले मतदान करना चाहते थे वे प्रातः 7 बजे से ही मतदान केन्द्र पर पहुंच गये थे। मतदान दिवस को लोगों ने लोकतंत्र के महापर्व के रूप में मनाया और युवाओं, महिला और पुरूष मतदाताओं उत्साह से भाग लिया। जो नये मतदाता बने थे उन्होंने बढ़-चढ़ कर मतदान किया। मतदान केन्द्रों पर महिलाओं की लंबी कतारे देखने को मिली। दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाता भी भमतदान में पीछे नहीं रहे।

जिले के 6 विधानसभा क्षेत्र महाराजपुर, चंदला, राजनगर, छतरपुर, बिजावर और मलहरा के कुल 14 लाख 17 हजार 763 मतदाताओं के लिए कुल 1587 मतदान केन्द्र बनाये गये थे। इनमें 69 आदर्श मतदान केन्द्र, 168 महिला मतदान केन्द्र बनाये गये थे। इन मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं द्वारा अपनी सुविधानुसार मतदान किया। मतदान कन्द्रों पर मतदाताओं को सभी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए व्यवस्था की गई थी। इनमें पेयजल, विद्युत, शौचालय, रैम्प, व्हीलचेयर, छायादार टेंट आदि उपलब्ध थे। मतदाता निर्भीक होकर मतदान करें इसके लिए पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था रही।

विधानसभा चुनाव में लोगों ने मतदान दिवस को लोकतंत्र के महापर्व के रूप में मनाया। मतदाता अपने परिवार के साथ मतदान करने पहुंचे। ऐसे मतदाताओं ने भी मतदान किया, जो अपने कामकाज के सिलसिले में दूसरे जिले या प्रदेश में रहते है उन्होंने भी जिले में पहुंच कर मतदान में भाग लिया। स्वीप की गतिविधियों के अंतर्गत ऐसे लोगों को प्रेरित करने के लिए स्वीप के अंतर्गत जिले में मुहीम चलाई थी।

मतदान सम्पन्न कराकर लौटे मतदान दलों का जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्वागत किया

छतरपुर। विधानसभा चुनाव 2023 अंतर्गत 17 नवंबर को छतरपुर जिले में मतदान संपन्न हुआ। मतदान दलों का मतदान संपन्न कराने के पश्चात जिला मुख्यालय के सामग्री वापसी केंद्र उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 1 पहुंचने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी.आर. ने पुष्पहारों से स्वागत किया। इस अवसर पर एसपी अमित सांघी ने भी मतदान दलों का स्वागत किया। जिले के 1587 मतदान केंद्रों में स्वतंत्र, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रूप से मतदान संपन्न हुआ।

महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला

सांसद और विद्याधर नगर से भाजपा प्रत्याशी दिया कुमारी तुरंत ही मौके पर पहुंची

जयपुर ।आज हरमाड़ा क्षेत्र में एक महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है जिसकी जानकारी होने के तुरंत बाद, सांसद और विद्याधर नगर से भाजपा प्रत्याशी दिया कुमारी तुरंत ही मौके पर पहुंची और मामले के बारे में जानकारी ली।

दिया कुमारी ने कहा कि इस घटना से यह साबित होता है कि पुलिस की लाचार व्यवस्था सरकार द्वारा कानून व्यवस्था को प्राथमिकता नहीं देने का नतीजा है। यह कांग्रेस सरकार एवं प्रशासन की संवेदनहीनता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। कानून के हस्तक्षेप के साथ-साथ समाज में इस प्रकार की हिंसा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।आज की यह घटना कांग्रेस सरकार की विफलता साबित कर रही है।

उन्होंने कांग्रेस के प्रत्याशी को लताड़ लगाते हुए कहा कि जब विद्याधर नगर में इतनी ह्रदय विदारक घटना हो गयी, उसके बावजूद वे या उनका कोई प्रतिनिधि पीड़िता के हाल जानने भी नहीं आया। मुझे लगता है कि मेरे विरोधियों को रोड शो करने की बजाय उसे घटनास्थल पर होना चाहिए और बाज़ारो में अपनी जय जयकार कराने के बजाय, क्या उनका कर्तव्य नहीं था कि वो उस बहन के पास जायें?

मेरे लिए सबसे ज़रूरी घटनास्थल पर पहुँच कर पीड़िता का दर्द जानना था इसलिए मैं तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। दिया कुमारी ने कहा कि कोई भी अगर मेरी बेटी मां बहन पर उंगली उठाएगा, तो उसे पहले मेरा सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा की जब भी प्रदेश में ऐसी घटनाएं हुई हैं मैंने सुनिश्चित किया है कि मैं परिवार के साथ खड़ी रहूं। इस दौरान जनसभा में मंडल पदाधिकारी, वार्ड पार्षद, कार्यकर्ता सहित काफी बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे। सभी ने कांग्रेस को उखाड़ फेंकने का संकल्प भी लिया।

District Name	Total Electors	Estimated Voters	Close of Poll
SEONI	1073277	919551	85.68
BALAGHAT	1344776	1146142	85.23
AGAR MALWA	468416	398298	85.03
SHAJAPUR	688349	584994	84.99
RAJGARH	1149276	968727	84.29
RATLAM	1099121	916644	83.40
NEEMUCH	609602	507809	83.30
MANDSOUR	1033171	860443	83.28
CHHINDWARA	1618363	1340037	82.80
NARSINGHPUR	849466	703353	82.80
DINDORI	514359	424404	82.51
NIWARI	411108	338569	82.36
MANDLA	790998	648982	82.05
HARDA	425470	348422	81.89
NARMADAPURAM	938284	767948	81.85
SEHORE	996945	812958	81.54
DEWAS	1212620	984839	81.22
BETUL	1223483	987301	80.70
SHEOPUR	512099	407224	79.52
RAISEN	1005985	798828	79.41
VIDISHA	1094901	867167	79.20
KHARGONE	1441034	1136772	78.89
SHIVPURI	1287016	1014525	78.83
ASHOK NAGAR	631107	497120	78.77
GUNA	933101	734229	78.69
UJJAIN	1532998	1201222	78.36
SHAHADOL	781004	608379	77.90
DHAR	1658042	1279262	77.15
ANUPPUR	529156	407592	77.03
JHABUA	864435	663237	76.72
BURHANPUR	582945	446979	76.68
UMARIYA	479371	367056	76.57
SAGAR	1782725	1348407	75.64
KATNI	985092	742044	75.33
DATIA	601349	452812	75.30
TIKAMGARH	695949	523883	75.28
DAMOH	967344	725824	75.03
BARWANI	1069195	801180	74.93
KHANDWA	997535	747448	74.93
SINGRAULI	708271	527163	74.43
JABALPUR	1871320	1390332	74.30
PANNA	764846	566515	74.07
SATNA	1685838	1234832	73.25
CHHATARPUR	1417763	1009405	71.20
INDORE	2755433	1943722	70.54
SIDHI	1023349	713581	69.73
MORENA	1481269	1011219	68.27
GWALIOR	1624567	1088583	67.01
REWA	1833889	1226000	66.85
BHOPAL	2087032	1377380	66.00
BHIND	1283861	812357	63.27
ALIRAJPUR	566234	340317	60.10
Grand Total	**55983139**	**42672017**	**76.22**

District Name	AC NO	AC Name	Close of Poll
DAMOH	56	JABERA	78.95
DHAR	201	DHAR	78.88
SEHORE	159	Sehore	78.83
BHOPAL	149	BERASIA	78.72
JABALPUR	96	BARGI	78.64
CHHINDWARA	122	JUNNARDEO	78.63
ANUPPUR	88	PUSPRAJGARH	78.49
SHIVPURI	24	POHARI	78.38
JABALPUR	95	PATAN	78.35
UMARIYA	89	BANDHAVGARH	78.2
ASHOK NAGAR	32	ASHOK NAGAR	78.04
KHANDWA	178	PANDHANA	78.01
SAGAR	42	BANDA	77.84
KHARGONE	185	KHARGONE	77.83
VIDISHA	146	KURWAI	77.76
BURHANPUR	179	NEPANAGAR	77.5
BARWANI	189	PANSEMAL	77.5
TIKAMGARH	43	TIKAMGARH	77.03
KHARGONE	182	BADWAHA	77.01
KHARGONE	186	BHAGWANPURA	77.01
KATNI	92	VIJAYRAGHAVGARH	77
DHAR	199	MANAWAR	77
VIDISHA	144	VIDISHA	76.98
RAISEN	142	SANCHI	76.9
KHANDWA	175	MANDHATA	76.89
JABALPUR	101	PANAGAR	76.87
SATNA	65	MAIHAR	76.52
			81.59
INDORE	211	SANWER	76.21
ANUPPUR	87	ANUPPUR	76.18
KHARGONE	181	BHIKANGAON	76.12
ANUPPUR	86	KOTAMA	76.08
MORENA	3	SABALAGADH	76
SAGAR	37	SURKHI	76
NARMADAPURAM	137	HOSHANGABAD	76
BURHANPUR	180	BURHANPUR	76
SHIVPURI	23	KARERA	75.77
SHIVPURI	25	SHIVPURI	75.36
PANNA	58	PAWAI	75.19
UMARIYA	90	MANPUR	75.08
SATNA	64	NAGOD	75.05
SAGAR	35	BINA	74.99
TIKAMGARH	44	JATARA	74.87
BETUL	130	AMLA	74.87
PANNA	60	PANNA	74.78
DEWAS	171	DEWAS	74.66
SATNA	66	AMARPATAN	74.53
INDORE	209	DR.AMBEDKAR NAGAR -Mhow	74.26
DAMOH	55	DAMOH	74.22
DHAR	196	SARDARPUR	74.2
TIKAMGARH	47	KHARGAPUR	74.05

District Name	AC NO	AC Name	Close of Poll
GWALIOR	14	GWALIOR RURAL	74.01
GWALIOR	18	BHITRWAR	74
DHAR	198	KUKSHI	73.8
DAMOH	57	HATA	73.71
SATNA	67	RAMPUR BAGHELAN	73.35
CHHATARPUR	53	MALHARA	73.34
DAMOH	54	PATHARIYA	73.29
DATIA	21	BHANDER	73.07
KATNI	91	BADWARA	73.05
DHAR	197	Gandhwani	73.01
SHAHADOL	83	BEOHARI	73
DATIA	20	SEONDHA	72.96
RATLAM	220	RATLAM CITY	72.94
SINGRAULI	80	SINGARAULI	72.68
CHHATARPUR	51	CHHATARPUR	72.67
BARWANI	187	SENDHWA	72.64
MORENA	5	SUMAOLI	72.5
GWALIOR	19	DABRA	72.4
INDORE	210	RAU	72.31
CHHATARPUR	50	RAJNAGAR	72.3
JABALPUR	98	JABALPUR NORTH	72.12
PANNA	59	GUNNAOR	71.94
SIDHI	82	DHOUHANI	71.86
JABALPUR	100	JABALPUR WEST	71.66
GUNA	29	GUNA	71.52
SINGRAULI	79	CHITARANGI	71.51
SATNA	63	SATNA	71.32
CHHATARPUR	48	MAHARAJPUR	71.2
SATNA	61	CHITRAKOOT	71.18
BARWANI	190	BARWANI	71
SAGAR	40	NARYAWALI	70.9
REWA	75	GURH	70.74
REWA	69	SEMARIYA	70.57
CHHATARPUR	52	BIJAWAR	70.56
UJJAIN	216	UJJAIN NORTH	70.47
KATNI	93	MUDWARA	70.39
MORENA	4	JAURA	70.26
SATNA	62	RAIGAON	70.12
BHOPAL	155	HUZUR	70.02
UJJAIN	217	UJJAIN SOUTH	69.9
SIDHI	78	SIHAWAL	69.56
INDORE	204	INDORE-1	69.08
SIDHI	76	CHURHAT	69
INDORE	207	INDORE-4	68.76
REWA	70	TEONTHAR	68.59
SIDHI	77	SIDHI	68.56
REWA	74	REWA	68.34
INDORE	206	INDORE-3	68.24
JABALPUR	99	JABALPUR CANTT	68.19
REWA	71	MAUGANJ	68.02
BHOPAL	150	BHOPAL UTTAR	67.8

District Name	AC NO	AC Name	Close of Poll
RATLAM	221	SAILANA	90
SEONI	114	BARGHAT	88.2
MANDSOUR	225	MALHARGARH	87.08
CHHINDWARA	123	AMARWARA	87.06
SEONI	116	KEOLARI	87.03
JHABUA	194	THANDLA	86.95
BALAGHAT	113	KATANGI	86.83
RAJGARH	163	KHILCHIPUR	86.65
BALAGHAT	110	PARASWADA	86.37
NEEMUCH	230	JAWAD	86.19
RATLAM	219	RATLAM RURAL	86.03
DEWAS	172	HATPIPLIYA	86
CHHINDWARA	124	CHURAI	85.82
NARSINGHPUR	120	TENDUKHEDA	85.69
SHIVPURI	26	PICHHORE	85.42
NARMADAPURAM	138	SOHAGPUR	85.35
BALAGHAT	112	WARASEONI	85.33
RATLAM	222	JAORA	85.29
SHAJAPUR	169	KALAPIPAL	85.27
AGAR MALWA	165	SUSNER	85.26
SHAJAPUR	167	SHAJAPUR	85.01
DEWAS	170	SONKATCH	84.93
BALAGHAT	108	BAIHAR	84.81
AGAR MALWA	166	AGAR	84.8
SHAJAPUR	168	SHUJALPUR	84.66
BALAGHAT	109	LANJI	84.5
DHAR	202	BADNAWAR	84.41
BETUL	133	BHAINSDEHI	84.37
RAJGARH	164	SARANGPUR	84.36
SEONI	117	LAKHNADON	84.2
KHARGONE	184	KASRAWAD	84.18
RAJGARH	161	BIAORA	84
BALAGHAT	111	BALAGHAT	83.84
SEONI	115	SEONI	83.74
NARMADAPURAM	139	PIPARIYA	83.6
NIWARI	45	PRITHVIPUR	83.57
MANDSOUR	226	SUWASRA	83.52
CHHINDWARA	128	PANDHURNA	83.48
SEHORE	158	ICHHAWAR	83.27
RAJGARH	160	NARSINGHGARH	83.25
NEEMUCH	228	MANASA	83.25
RAJGARH	162	RAJGARH	83.24
UJJAIN	218	BADNAGAR	83.1
DINDORI	104	DINDORI	83.02
HARDA	134	TIMARNI	83
RATLAM	223	ALOT	82.79
UJJAIN	215	GHATIYA	82.46
SEHORE	157	ASHTA	82.27
MANDLA	107	MANDLA	82.24
UJJAIN	214	TARANA	82.18
NARSINGHPUR	119	NARSINGPUR	82.15

District Name	AC NO	AC Name	Close of Poll
DAMOH	56	JABERA	78.95
DHAR	201	DHAR	78.88
SEHORE	159	Sehore	78.83
BHOPAL	149	BERASIA	78.72
JABALPUR	96	BARGI	78.64
CHHINDWARA	122	JUNNARDEO	78.63
ANUPPUR	88	PUSPRAJGARH	78.49
SHIVPURI	24	POHARI	78.38
JABALPUR	95	PATAN	78.35
UMARIYA	89	BANDHAVGARH	78.2
ASHOK NAGAR	32	ASHOK NAGAR	78.04
KHANDWA	178	PANDHANA	78.01
SAGAR	42	BANDA	77.84
KHARGONE	185	KHARGONE	77.83
VIDISHA	146	KURWAI	77.76
BURHANPUR	179	NEPANAGAR	77.5
BARWANI	189	PANSEMAL	77.5
TIKAMGARH	43	TIKAMGARH	77.03
KHARGONE	182	BADWAHA	77.01
KHARGONE	186	BHAGWANPURA	77.01
KATNI	92	VIJAYRAGHAVGARH	77
DHAR	199	MANAWAR	77
VIDISHA	144	VIDISHA	76.98
RAISEN	142	SANCHI	76.9
KHANDWA	175	MANDHATA	76.89
JABALPUR	101	PANAGAR	76.87
SATNA	65	MAIHAR	76.52
			81.59
INDORE	211	SANWER	76.21
ANUPPUR	87	ANUPPUR	76.18
KHARGONE	181	BHIKANGAON	76.12
ANUPPUR	86	KOTAMA	76.08
MORENA	3	SABALAGADH	76
SAGAR	37	SURKHI	76
NARMADAPURAM	137	HOSHANGABAD	76
BURHANPUR	180	BURHANPUR	76
SHIVPURI	23	KARERA	75.77
SHIVPURI	25	SHIVPURI	75.36
PANNA	58	PAWAI	75.19
UMARIYA	90	MANPUR	75.08
SATNA	64	NAGOD	75.05
SAGAR	35	BINA	74.99
TIKAMGARH	44	JATARA	74.87
BETUL	130	AMLA	74.87
PANNA	60	PANNA	74.78
DEWAS	171	DEWAS	74.66
SATNA	66	AMARPATAN	74.53
INDORE	209	DR.AMBEDKAR NAGAR -Mhow	74.26
DAMOH	55	DAMOH	74.22
DHAR	196	SARDARPUR	74.2
TIKAMGARH	47	KHARGAPUR	74.05

District Name	AC NO	AC Name	Close of Poll
BHIND	11	LAHAR	67.44
CHHATARPUR	49	CHANDLA	67.1
ALIRAJPUR	191	ALIRAJPUR	67
SAGAR	41	SAGAR	66.74
JABALPUR	97	JABALPUR EAST	66.73
KHANDWA	177	KHANDWA	66.4
MORENA	7	DIMANI	66.18
JHABUA	193	JHABUA	65.61
INDORE	208	INDORE-5	65
BHIND	12	MEHGAON	64.92
GWALIOR	15	GWALIOR	64.57
MORENA	6	MORENA	64.46
INDORE	205	INDORE-2	64.37
BHOPAL	151	NARELA	64.14
BHIND	9	ATER	64.08
REWA	68	SIRMOUR	64.02
GWALIOR	17	GWALIOR SOUTH	63.77
REWA	72	DEOTALAB	63.22
BHOPAL	154	GOVINDPURA	63.03
REWA	73	MANGAWAN	62.04
BHIND	13	GOHAD	61.4
MORENA	8	AMBAH	60.1
BHOPAL	153	BHOPAL MADHYA	60.1
BHIND	10	BHIND	58.57
BHOPAL	152	BHOPAL DAKSHINA-PASCHIM	58.2
GWALIOR	16	GWALIOR EAST	57.33
ALIRAJPUR	192	JOBAT	54.04

मतदाताओं ने दिखाया उत्साह, 81.50 प्रतिशत हुआ मतदान

पोलिंग बूथ में लगी रहीं लंबी कतारें, प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईव्हीएम में कैद

छिंदवाड़ा। जिले की सातों विधानसभा में मतदान को लेकर लोगों में उत्साह का माहौल दिखा सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतारें लगी हुई थी। और बड़ी संख्या में मतदाता वोट देने के लिए पोलिंग बूथ पहुंचे छुटपुट घटनाओं को छोड़ शांतिपूर्ण मतदान हुआ। भाजपा, कांग्रेस सहित सभी 78 प्रत्याशियों का भाग्य ईव्हीएम में बंद हो गया। जिले की सातो विधानसभा में बम्फर वोटिंग हुई है। जिसमें जुन्नारदेव विधानसभा में 75.77 प्रतिशत मतदान हुआ वहीं अमरवाड़ा में 83.58 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चौरई विधानसभा में 82 प्रतिशत वोट डले। सौंसर में विधानसभा में मतदाताओं ने उत्साह दिखाया और 80 प्रतिशत वोटिंग हुई छिंदवाड़ा विधानसभा में 75 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया परासिया विधानसभा में 77 और पांढ़ूर्ना में 81 प्रतिशत मतदान होने की खबर है। प्रशासन द्वारा मतदाताओं को अधिक अधिक वोट करने के लिए प्रेरित किया गया था। जिसके चलते मतदान प्रतिशत बढ़ा है।

झलकियां

- शहर कांग्रेस के समन्वयक आनंद बक्शी और भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री राजू नरोटे में जमकर झड़प हुई।
- मतदान करने के लिए लोगों में दिखा उत्साह लंबी कतारें लगी रही।
- जिला कांग्रेस के अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे और भाजपा के कार्यकर्ता के बीच गुरैया में हुआ विवाद ।
- कैलाश नगर पोलिंग बूथ पर एक महिला ठिलिया में मतदान करने पहुंची
- कलेक्टर मनोज पुष्प ने सपत्नि वोटिंग की।
- भाजपा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू का पोलिंग बूथ में जाते पुलिस अधिकारी को उंगली दिखाते वीडियो हुआ वायरल।

सांसद नकुलनाथ से भिड़े विजय पांडे

वार्ड क्रमांक 25 में नकुलनाथ के समर्थक और विजय पांडे के बीच बहस हो गई नकुलनाथ पोलिंग बूथ का जायजा लेने शहर में निकले थे। इस दौरान वे वार्ड क्रमांक 25 पहुंचे अंदर प्रवेश करने के दौरान नेता प्रतिपक्ष विजय पांडे ने उन्हें अंदर जाने से रोकते हुए कहा कि नियम के अनुसार आप अंदर नहीं जा सकते इसके चलते नकुलनाथ के सामने कांग्रेस के कार्यकर्ता और विजय पांडे में लंबी बहस हुई आखिर नकुलनाथ वापस चले गए उनका कहना था कि वे बूथ के अंदर नहीं जा रहे थे बल्कि पोलिंग एजेंटों का उत्साह वर्धन करने पहुंचे थे। वार्ड के पार्षद उनकी महिला कार्यकर्ता के साथ अभद्र व्यवहार कर रहे थे।

शहपुरा में ग्रामीणों ने नहीं डाला वोट

छिंदवाड़ा विधानसभा के शहपुरा के ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया ग्रामीणों का कहना है कि कांग्रेस द्वारा बंटी पटेल को टिकट नहीं देने के कारण गांव में मतदान नहीं करने का निर्णय लिया गया। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा समझाने के बाद भी मतदान करने ग्रामीण नहीं पहुंचे।

अमरवाड़ा। भाजपा प्रत्याशी मोनिका शाह वट्टी ने अपने चाचा और बहन के साथ देवरी में मतदान किया

अमरवाड़ा। कांग्रेस प्रत्याशी कमलेश प्रताप शाह ने अपनी बेटी मान्या शाह के साथ बसुरिया में मतदान किया

पांढुरना। विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी प्रकाश उईके ने वोट डाला उन्हें लाडली बहन पर भरोसा है

पांढुरना। विधानसभा निर्वाचन के अंतर्गत छिंदवाड़ा/पांढुर्णा जिलों में निर्विघ्न और शांतिपूर्ण मतदान संपन्न

निर्विघ्न और शांतिपूर्ण मतदान संपन्न

मतदान के प्रति मतदाताओं में देखा गया काफी उत्साह

छिन्दवाड़ा। विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत छिंदवाड़ा/पांढुर्णा जिलों में निर्विघ्न और शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न हुआ । मतदान के दौरान लोगों ने निर्भीकता और निष्पक्षता के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया ।

मतदान के प्रति मतदाताओं में काफी उत्साह देखा गया तथा मतदाताओं ने प्रातः 7 बजे से ही मतदान करना प्रारंभ कर दिया था। कई मतदान केन्द्रों में मतदाताओं की लंबी-लंबी कतारें भी देखी गई। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज पुष्प ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती विनीता मनोज पुष्प के साथ आदर्श मतदान केंद्र श्रीनाथ उच्चतर माध्यमिक शाला भवन कक्ष क्रमांक-2 बूथ क्रमांक 267 में आज मतदान किया।

आमजन ने दिया सच्चाई का साथ: ओक्टे

कांग्रेस ने माना समस्त मतदाताओं का हार्दिक आभार

छिन्दवाड़ा। जिला कांग्रेस कमेटी छिन्दवाड़ा नगर एवं जिले के उन समस्त जागरूक मतदाताओं का हृदय से आभार व्यक्त करती है, जिन्होंने प्रदेश में नई सरकार के गठन के लिये सम्पूर्ण सच्चाई का साथ देकर बढ़-चढ़कर मतदान किया। विशेषकर महिला मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग कर जिले में एक नई क्रांति का सूत्रपात किया है।आज सम्पन्न हुये मतदान में अपना अमूल्य सहयोग देने वाले मतदाताओं को एक विज्ञप्ति के माध्यम से धन्यवाद देते हुये जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे ने कहा कि कांग्रेस व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने समस्त मदान केन्द्रों पर सम्पूर्ण अनुशासन के साथ निर्धारित क्षेत्र में रहते हुये मतदाताओं का सहयोग किया एवं उन्हें मतदान प्रक्रिया से अवगत कराया, जबकि इसके विपरित नगर के अनेकों मतदान केन्द्रों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं व आम मतदाताओं को विपक्ष की दादागिरी, गुन्डागर्दी व अभद्रता के साथ धमकियों को सुनना पड़ा इसके उपरांत भी सभी ने अपने धैर्य का परिचय देते हुये शांतिपूर्वक मतदान कर अपना फैसला वोटिंग मशीन में जमा करवा दिया।श्री ओक्टे ने कांग्रेस के अपने समस्त पदाधिकारी समस्त विभाग एवं प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, शहर कांग्रेस, महिला कांग्रेस, कांग्रेस सेवादल, युवा कांग्रेस, एन.एस.यूआई व प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से सक्रिय रहे समस्त सामाजिक, धार्मिक सांस्कृतिक व व्यापारिक संगठनों तथा समस्त कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार माना है

छिंदवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्प और पुलिस अधीक्षक वर्मा ने किया सीसीटीवी कंट्रोल रूम, कम्यूनिकेशन कक्ष, जीपीएस कंट्रोल रूम आदि का निरीक्षण

भाई दूज में अपनी बुआ के यहां आई नाबालिक लड़की हुई लापता

अमरवाड़ा। थाना अंतर्गत ग्राम पौनार में रिश्तेदारी में आई हुई ग्राम जमुनिया थाना वडोल जिला सिवनी की नाबालिक अपने लड़की भाई दूज में भाई के साथ अपने बुआ के यहां पौनार आई हुई थी गुरुवार को दोपहर जब उसकी बुआ नहाने गई हुई थी नाबालिग लड़की बाहर घर में बैठी हुई थी जब वह वापस आई तो उसे लड़की नहीं देखी तब उसकी तलाश आसपास पड़ोस में जाकर की लेकिन कोई पता नहीं चला बुआ ने लड़की के पिता को फोन लगाकर बताइए तो लड़की के पिता रात्रि में ही पौनार आ गए और परिजनों के साथ ग्राम समसवाड़ा जमू निया आदि जगह रिश्तेदारी में तलाश किया लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला महिला द्वारा थाने में रिपोर्ट कर बताया गया है उसकी नाबालिक भतीजी को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर ले गया होगा रिपोर्ट पर मामला गुमशुदगी का कायम कर पताशाही में दिया गया

खेत ठेका लेने की बात पर भाइयों के बीच हुई मारपीट

अमरवाड़ा थाना अंतर्गत ग्राम पौनार शिवकरण के रहने वाले शिवकरण पिता तेजा, एवं शिवराम पिता तेजा दोनों सगे भाई हैं शिवकरण जब अपनी पत्नी सलेखा और लड़की प्रियंका के साथ खेत में काम कर रहा था उसी समय शिवराम आया और बोला कि तूने उसका खेत ठेका पर क्यों लिया मेरी उससे बुराई है और भाई को गंदी-गंदी गालियां देने लगा छोटे भाई ने बड़े भाई शिवराम को गाली देने से मना किया और बोला कि तुम्हारी बुराई है मेरी कोई बुराई नहीं इसी बात को लेकर शिवराम ने शिवकरण के साथ मारपीट करने लगा जिससे बीच बचाव करने लड़की और पत्नी आई तो उनके साथ भी मारपीट करने लगा तो शिवकरण और उसकी पत्नी ने शिवराम एवं उसकी पत्नी के साथ मारपीट की जिससे दोनों पक्ष के लोग को हाथ पीठ में चोट आई शिवकरण एवं शिवराम ने एक दूसरे की थाने जाकर रिपोर्ट किया रिपोर्ट पर प्रधान आरक्षक आकाश मालवीय ने दोनों पक्षों पर गाली गुप्ता मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने का प्रकरण विवेचना में लिया गया।

डॉ. संदीप जैन ने की खुलेआम गुण्डा गर्दी

दुकान के सामने बोर्ड लगाने को लेकर हुआ विवाद, मारपीट कैमरे में कैद

छिंदवाड़ा। मेडीकल कॉलेज के चिकित्सक डॉक्टर संदीप जैन पर बाजू में कपड़े की दुकान चला रहे मयंक बोकड़े मारपीट और गाली गलौंच का आरोप लगाया है। उन्होने इसकी शिकायत कोतवाली थाने में भी की है। मयंक ने बताया कि संदीप जैन की क्लीनिक के बाजू में उनकी कपड़े की दुकान है जब वे सुबह 11 बजे करीब अपनी दुकान खोल रहे थे उस वक्त दुकान का स्टैंड बोर्ड उन्होने उठाकर बाजू में रख दिया इसी को लेकर संदीप जैन आए और उन्होने गाली गलौंच करते हुए मारपीट करना शुरू कर दी उनके साथ संजय मेडीकल के स्टाफ ने भी मारपीट शुरू कर दी और गालियां दी साथ ही उनके महिला स्टाफ के साथ भी झगड़ा किया। उन्होने कार्रवाई के लिए पुलिस थाने में शिकायत की है।

आमसभा में
जब पूर्व मंत्री का दर्द छलका

छिंदवाड़ा। सौंसर के एक भाजपा प्रत्याशी व पूर्व मंत्री का दर्द छलका जब उन्होने जिले के पत्रकारों के बारे में आमसभा में कहा कि उनको कवरेज नहीं मिल रहा है, पत्रकार कांग्रेस के लिए दलाली करते हैं। आमसभा में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री भी उपस्थित थे। पूर्व मंत्री ने बड़ी आसानी से पत्रकारों पर आरोप लगा दिए किन्तु सत्ता में रहने या न रहने पर वे पत्रकारों की स्थिति क्या बना देते हैं यह उन्हें ही मालुम है।

पत्रकारों को अपने अखबार के विज्ञापन भेजना जरूरी रहता है और समय समय पर विज्ञापन नेताओं द्वारा छपवाये भी जाते हैं। किन्तु नेता भुगतान के लिए पत्रकारों को इतने परेशान करते हैं कि हताश हो जाते है जबकि विज्ञापन उनके आदेश पर ही प्रकाशित किये जाते है। जिससे 90 प्रतिशत पत्रकार जनप्रतिनिधियों से नाराज रहते हैं। कुछ अखबारों की दादागिरी के कारण उन्हें एडवांस भुगतान कर विज्ञापन छपवाना पड़ता है। बाकी पत्रकार पेन्डुलम जैसे चक्कर लगाते हैं, पांच साल में एक मौका आता है, जब नेता चाहते हैं कि उनके पक्ष में कुछ छपे किन्तु नहीं छपता तो उनका दर्द सार्वजनिक होता है नेताओं को चाहिए कि वे अपनी आदतें सुधारें जो समय पर भुगतान करते हैं उनको कवरेज भी मिलता है। एवं उनके समर्थक भी पत्रकार होते हैं।

मजबूत लोकतंत्र और प्रदेश के विकास के लिए वोट जरुरी

छिंदवाड़ा। लोकतंत्र के महापर्व विधानसभा निर्वाचन 2023 में विगत तीन माह से मतदाता जागरूकता अभियान चला रहे पीजी कॉलेज छिन्दवाडा के 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके एनएसएस स्वयंसेवको ने बढ़-चढकर हिस्सा लेकर स्वयं के साथ दूसरो को भी मतदान के लिए प्रेरित किया तथा लोकतंत्र में अपनी पूर्ण भागीदारी को व्यक्त करते हुए अपने बहुमुल्य मत का प्रयोग किया जिसमें एनएसएस अतिरिक्त दलनायक विशाल सलामे, नियमित गतिविधि अध्यक्ष नीलेश ब्रम्हने, सांस्कृतिक गतिविधि अध्यक्ष लोकेश सनोडिया, शिवसिंग डेहरिया,एम्बेसडर आकांक्षा डेहरिया,ललित साहू,आदिल मन्सूरी,विवेक सरयाम,रेशमी उइके आदि स्वयंसेवको ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

छिंदवाड़ा। हर्षिता साहू पहली बार मतदान करते हुए बूत क्रमांक 198 शासकीय बालक प्राथमिक शाला सुक्लूढाना छिंदवाड़ा

अमरवाड़ा नगर में हुआ 79 प्रतिशत मतदान

अमरवाड़ा। विधानसभा निर्वाचन में नगर के 15 वार्ड के 11 मतदान केदो मैं हुए कुल मतदाता 11065 में से 7828 मतदाताओं ने मत का प्रयोग किया वही सबसे ज्यादा मतदान बूथ क्रमांक 325 जिसमें वार्ड क्रमांक 7 और 8 आते हैं वहां 83.17 प्रतिशत सर्वाधिक मतदान हुआ वही बूथ क्रमांक 332 वार्ड क्रमांक 5 में 72.75 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ

मै देश का ऐसा अकेला जनसेवक हूं जिसे तीन पीढ़ी ने लगातार अपना प्यार और आशीर्वाद दिया: कमलनाथ

गोविन्द चौरसिया

जन्मदिन पर विशेष

छिंदवाड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री छिंदवाड़ा के विधायक एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री कमलनाथ आज 77 वर्ष के हो गये, कानपुर में जन्मे कलकत्ता में व्यवसायरत, संजय गांधी के दोस्त व इंदिरा गांधी के तीसरे बेटे कहे जाने वाले कमलनाथ का 1980 के लोकसभा चुनाव में पदापर्ण हुआ और वे अब छिंदवाड़ा के होकर रह गये, 43 वर्ष से जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे है, कमलनाथ कहते है कि मै एक ऐसा सौभाग्य शाली जनसेवक हूं जिसे तीसरी पीढ़ी भी जानती है और छिंदवाड़ा मेरा परिवार है। 1979 में कमलनाथ जब छिंदवाड़ा आये थे तब वे युवा थे और बहुत ताकतवर नेता थे। 1980 से अभी तक वे 9 बार लोकसभा एवं 1 बार विधायक चुनाव लड़ चुके है और 2018 में प्रदेश के मुख्यमंत्री भी थे, किन्तु 15 माह में उनकी सरकार चली गई और उन्हें विपक्ष में बैठना पड़ा। 1980 के छिंदवाड़ा और आज के छिंदवाड़ा में बहुत अन्तर है, छिंदवाड़ा में छोटी लाईन थी, छिंदवाड़ा से परासिया बड़ी रेल लाईन उनके प्रयास से ही शुरू हुई वे केन्द्रीय मंत्री भी रहे और जिस जिस विभाग में मंत्री रहे, तो उन्होने छिंदवाड़ा के कुछ न कुछ लाया। आज दुनिया में छिंदवाड़ा का नाम है। कमलनाथ ने युवाओं को ओर उनकी शिक्षा को पहचाना और उन्होने स्कील डेवलपमेन्ट पर बहुत काम किया, जिसके कारण हजारों युवाओं को रोजगार मिला, बिमारों की उन्होने बहुत मदद की, दिल्ली और नागपुर में बहुतों का ईलाज भी करवाया। पिछले 10 वर्षो में उन्होने युवाओं की शिक्षा पर बहुत ध्यान दिया, उनके एडमीशन करवाना, उनकी फीस भरना जैसे कार्य के कारण आज हजारों युवक एवं उनके परिवार उनके समर्थक है।

कमलनाथ जिले के अजातशत्रु नेता है, उनका राजनैतिक दुश्मन विचारधारा के कारण हो सकता है किन्तु व्यक्ति कोई भी दुश्मन नहीं है। जब भी वे छिंदवाड़ा आते है उनसे मिलने वालों की संख्या बहुत रहती है, वे हां के अलावा ''नहीं'' नहीं कहते काम हो अथवा नहीं। बड़ी रेल लाईन एवं रिंग रोड उनकी बड़ी उपलब्धि है, कमलनाथ जिले के ऐसे व्यक्ति है जिन्हें जिले की एक-एक सड़क एवं व्यक्तियों की जानकारी है। 2018 में जब वे प्रदेश के मुख्यमंत्री बने तो उन्होने छिंदवाड़ा के लिए प्रदेश का खजाना खोल दिया, नेता उन्हे छिंदवाड़ा का मुख्यमंत्री कहते थे। मुख्यमंत्री रहते उन्होने मेडिकल कालेज, यूनिवर्सिटी, हर्टीकल्चर कालेज एवं सिंचाई काम्पलेक्स जैसी बड़ी परियोजनाओं लाई किन्तु दुर्भाग्य से उनकी सरकार चली गई और छिंदवाड़ा जिले के सारे प्रोजेक्ट रूक गये। कमलनाथ प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री पद का चेहरा है, प्रदेश में वे ही एक नेता है जो पूरे प्रदेश में घूम रहे है, जबकि भाजपा के कई केन्द्रीय नेता प्रदेश में आते रहे है। जनता चाहती है कि उनके जिले का विधायक मुख्यमंत्री हो। 17 नवम्बर को प्रदेश मतदान हो गया, सरकार किसकी बनेगी यह तो समय बतायेगा। किन्तु 77 वर्ष की उम्र में वे जितनी मेहनत करते है उतनी सम्भवतः कोई राजनेता करता है , वे साधन सम्पन्न व्यक्ति है इसीलिए इतनी मेहनत कर पाते हैं। वे स्वस्थ एवं दीर्घायु हो। जन्मदिन पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनयें ।

युवाओं ने मतदान कर लोकतंत्र को किया मजबूत

छिंदवाड़ा। राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व स्वयं सेवक शिवसिंग डेहरिया के द्वारा लगातार मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा था। जागरूकता कार्यक्रम के तहत 17 नवम्बर को शिवसिंग डेहरिया के द्वारा ग्राम बम्हनी लाला में मतदाताओं को जागरूक कर निपक्ष मतदान करने के लिये प्रेरित किया। तो वही युवाओं के साथ जाकर मतदान किया। इस अवसर पर वीपत डेहरिया, मंशाराम कनोजिया, ललित डेहरिया, गोलू डेहरिया, शिवबरन डेहरिया आशीष डेहरिया ने शिवसिंग डेहरिया के साथ मतदाता को निपक्ष मतदान करने के लिये जागरूक किये और मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सहभागीता निभाई।

जीवेत् शरदः शतम्
पूर्व मुख्यमंत्री
जननायक
मा. श्री कमलनाथ जी
को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सुजीत चौधरी
विधायक
चौरई जिला छिंदवाड़ा

जीवेत शरदः शतम्
गरीबों के मसीहा पूर्व मुख्यमंत्री
मा. कमलनाथ जी
को जन्मदिवस की
हार्दिक बधाई
आशीष इलेक्ट्रानिक्स हब
इतवारी बाजार, छिंदवाड़ा
शुभम इलेक्ट्रानिक्स
नागपुर रोड, छिंदवाड़ा
तनिष्क (पाटोदी ज्वेलर्स)
नागपुर रोड, छिंदवाड़ा
पाटोदी एम जी.
नागपुर रोड, छिंदवाड़ा
जे.पी. लॉन एण्ड होटल
नागपुर रोड, छिंदवाड़ा
ईश्वर लाल सूरजमल पटोदी
पदम कॉम्पलेक्स, सिवनी रोड, छिंदवाड़ा
महेन्द्र वस्त्र भंडार
पदम कॉम्पलेक्स, सिवनी रोड, छिंदवाड़ा
समस्त पाटोदी परिवार

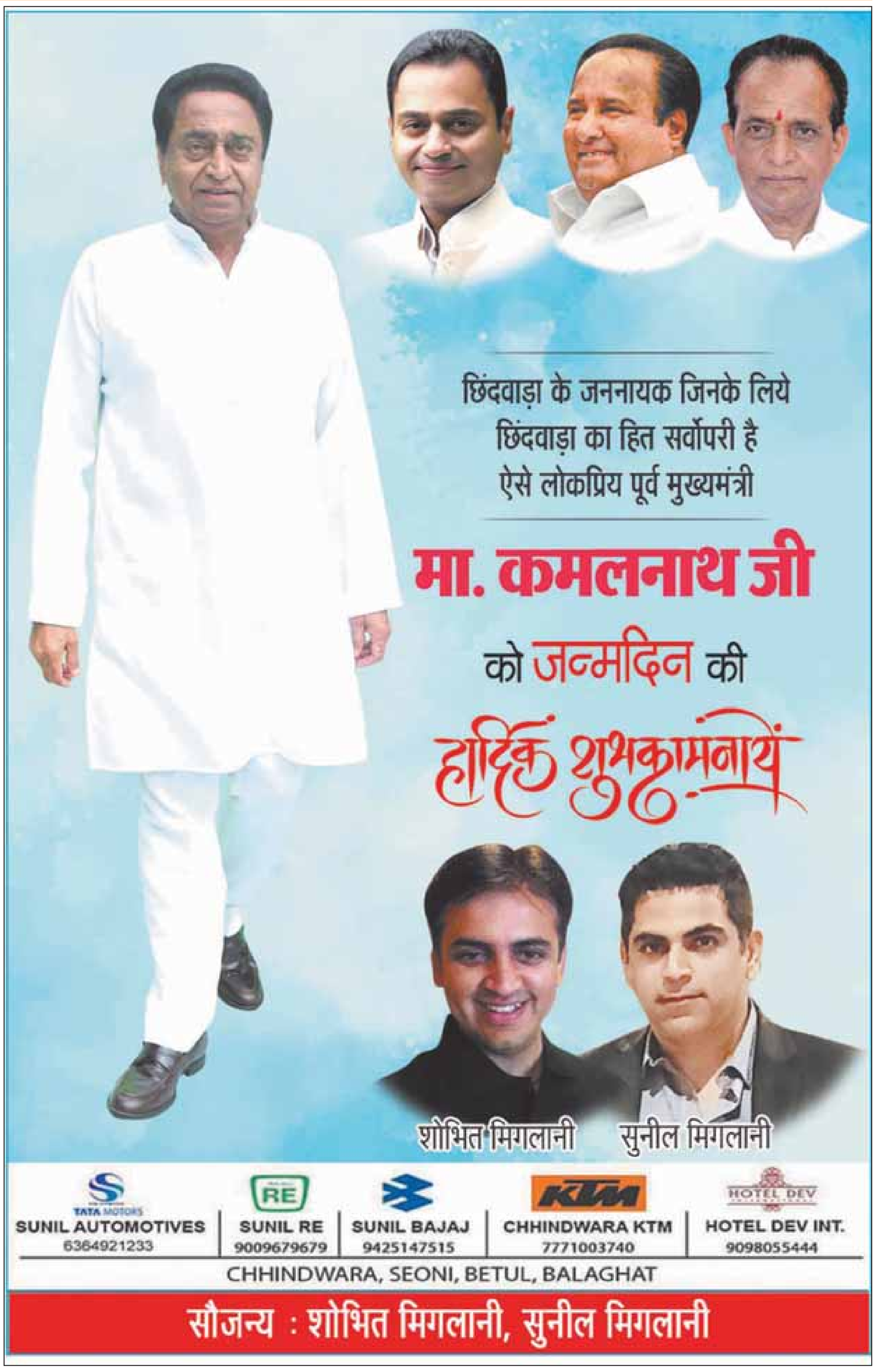
छिंदवाड़ा के जननायक जिनके लिये
छिंदवाड़ा का हित सर्वोपरी है
ऐसे लोकप्रिय पूर्व मुख्यमंत्री
मा. कमलनाथ जी
को जन्मदिन की
हार्दिक शुभकामनायें
शोभित मिगलानी
सुनील मिगलानी
TATA MOTORS
SUNIL AUTOMOTIVES
6364921233
RE
SUNIL RE
9009679679
SUNIL BAJAJ
9425147515
KTM
CHHINDWARA KTM
7771003740
HOTEL DEV
HOTEL DEV INT.
9098055444
CHHINDWARA, SEONI, BETUL, BALAGHAT
सौजन्य : शोभित मिगलानी, सुनील मिगलानी

जीवेत् शरदः शतम
माननीय नकुलनाथ जी
सांसद, छिंदवाड़ा
राजा कमलेश प्रताप शाह
विधायक विधानसभा क्षेत्र अमरवाड़ा
जनता की सेवा में हमेशा तत्पर
विकास के भागीरथ - पूर्व मुख्यमंत्री
मा. कमलनाथ जी
को अमरवाड़ा विधायक
राजा कमलेश प्रताप शाह
एवं अमरवाड़ा, हर्रई, सिंगोड़ी, बटका, धनौरा,
सुरलाखापा, छिन्दी के समस्त कार्यकर्ताओं
की ओर से जन्मदिन की
हार्दिक
शुभकामनाएं
बधाईकर्ता - समस्त कार्यकर्ता अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र

।। श्रीं ।।
जीवेत
शरदः शतम
छिंदवाड़ा जिले के लोकप्रिय
जननेता
पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय
मा. कमलनाथ जी
को जन्मदिन की हार्दिक बधाई
शुभकामनाएं
हम ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और
यशस्वी जीवन की कामना करते हैं।
श्री विजय गावंडे
अध्यक्ष, क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी ग्राम-मोहखेड़
श्रीमती कीर्ति विजय गावंडे
पूर्व अध्यक्ष, जनपद पंचायत मोहखेड़